॥श्रीजिनायनमः॥अथस्नात्रपूजालि
ष्यते॥अथपालंमीगाथा॥चौतीसेअति
सयजुत्तोवचनातिशयेसंजुत्तोसोपरमे
सरदिठजिनवि।सिंघासणसंपत्तो॥१॥ढाल
सिंघासणबेठाजगभांणादेखीभविजन
गुणमणिखांणाजेदीठेतुकनिर्मलजोण
लहियेपरमनिदांण॥कुसमांजलीमे
लोआदिजिणंदा॥तीराचरणकमल
चोवीश॥सजीरेचोवीस॥सीनीचोवीअ

जिणंदा ॥३॥ एम कहीचरणटीकीदं
जे ॥ गाथा ॥ जिनि [illegible] गुणपज वरम्पा ॥ तस्सु
[illegible] ॥ २ ॥ सुंग ॥ अारोपता जे
रिसकरंग निरत ॥ १ ॥ ढाल ॥ जीनि [illegible] त
[illegible] आणंदि ॥ श्या ॥ लसंगे जेह अफंदी
जिवरमे सर निजपद लीन ॥ १ ॥ जी [illegible]
[illegible] दीन ॥ ३ ॥ आण शांति जिणंदा ॥ तीण गा
था ॥ [illegible] विमल गुण
संवर [illegible] धम्म वर्गीना [illegible] परम

ष्पाधन्न ११।।तज।।लोकालोकप्रकाशक
नाणी।।नविजनजगरांहिनीहांणीपरमा
नंदनणीनिसांणी।।२।।तनगरिठकविसव ह
रणी।।कुण।।निमजिणंदतोण।।गाथा।।जि
सिद्धसिसंतिजे।।सिद्धसंसंतञ्जणंदजसुम्ना
लंबननवियमणसेसिवोञरिहंताध।।तद्द
।।त्रिवसरवकारणजेहत्रिकालेसमपरिणा
मिजगद्धनितलेउवसमसाधनमारग्गदिवाले
इंद्रादिकजसुचरणपवाजे।।कुण।।पासजि

[illegible] लिप [illegible] ज्ञादे
[illegible] वि [illegible] नेलोलिए
[illegible] ॥२॥ [illegible] श्वविकलंकेनरत्नकरंड
[illegible] रत्नकंडजसार। [illegible] त्रिदिद्वि
[illegible] पुरुषार्थ अवतरिजिनमिथो
[illegible] ॥श॥ज॥वंदावलनी॥ तुकेटुप [illegible]
[illegible] विशेषं। नयवरत्नकुंदश
[illegible] लीदस। निन्नयवेकेदर्शी
[illegible] मीक्षतिहीकेबाह। [illegible] तुपमंत्रा

नीमाला निर... ...॥१॥ ...
अलिदीदे। ...
दरापदमसरोवरस्य॥२॥ ...मेरयचाय
देवीमाताजीकेजसायर। ...
न्।सेरमिरतननिधांन॥३॥ ...
कुन। देवीमाताजीअनुपमा हरषीरायनेभारे
राजाअरथप्रकासे॥४॥ जनम ... जिनवरस्य
कर। हेसेत्रमनोहर। ...
सक... फलये॥५॥ वस्ता ...

[illegible]
[illegible] ॥५॥ तेदेव
[illegible] स्तवणमो
मकसको [illegible] वि राव
देवदेवीलरथ [illegible] वितबरंनाग
[illegible] गननिधंनानर
[illegible] जिनराजवधैसुरह
[illegible] ॥७॥ [illegible]
[illegible] कारपाते

[illegible]दर्सणं [illegible]जनरिसपु
॥८॥ सजवैतालकतीर्थ[illegible]
दिकहर्षस्यसास्फल[illegible]
जीवावधसङनधमहयहरुक्लीव॥९॥
श्रीसांतिजिननीकजसकहिस्त्रेम
सागरसूरए।श्रीतिर्थपति[illegible]
नामाइदौसप्रकार।[illegible]
[illegible]धायतिहांरा[illegible]
[illegible]

...री ... ...वकैथा
पीसज्यातयाघुरोकरी।ज।१।रूरन
यकज...नभज कर...नेवण्ग।पा
...ज्यालीसयमहि...वस्तस्यान
टकविधिजीतबवलीसज्यागलवहेसु
रकोमीजीजीनदरसणकेतमहे।।रूरक
मरकोमदकोमीनाचली।वलैनाथसुवयु
ण।घली।जयवरकोमीहाथजोमीहव
...वदेन।वली।जयजयहूंजिनराजज

गहुरु।एक[illegible]लिषुए।[illegible]
न्मधरजीवनएकठेत्गदीसर।।ढाल॥६
सुरगिरवरजी[illegible]कल्याणमें[illegible]
गिरसिलपरजी[illegible]सिंघासणजासयुबसे।ति
हांक्नांणीजीहारीकैजिनबीर्येअस।।[illegible]
जीतिहोसहरपतिआवीरला।।त्रोटक।।आ
वियासूरपतिसर्वजिन[illegible]सअसीघण
वरे।सिवार्यप्रमुह[illegible]क्नौषधर्म[illegible]
ऋमणावए।[illegible]हुमपतिति[illegible]

देवी [illegible] नायक निरमा
[illegible] ॥२०॥ शांति
नेकारण इंद्रकनसा नरेएहनी देशी॥
[illegible] सी देवकी [illegible] सी [illegible]
[illegible] सी पउम [illegible] गंग पमुं
[illegible] वा [illegible]
जाति [illegible] स करि [illegible]
[illegible] सु नतरा [illegible] गरण [illegible]
[illegible] सीयालेम

आंतीनेत॥२॥ [illegible]
सकरदेवगाणावता [illegible]
तिरियनरअमरनेऊर्वंपजावता॥ [illegible]
अपसगति [illegible] गतइम [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] तबीज [illegible] जआ [illegible] रेय [illegible]
पोणी [illegible] जिज [illegible] चला [illegible]
वरे [illegible] वंका [illegible] नही [illegible]
मननहयाही॥गाथा॥ [illegible] आया [illegible]
लऊदिवड्ढे [illegible] यसंबुमि [illegible]

स[illegible]ति[illegible]आंठ्व[illegible]
टतुं।[illegible]उं।।१।।तार[illegible]
पत्रंलइ।सासुमीवबलंमीवजलाहेत्र
णइ।वेंतैंणमिएहहिउकयखाजो।।८।।
।।सोहसमूरपतिवपनसपकर न्हवण
करैप्रभुजो।करायविलेपनपुष्फमी
लालविवरआभरणअनेग।।९।।तब
सुरपति[illegible]जयजयरवकरै।निच्चे[illegible]
[illegible]सासपिपतिपासैजाज

[illegible] दा२ [illegible]
[illegible] जाहास्करपति [illegible] सुं
जननीनैस्सप्रसाद॥३॥ज्ञां [illegible]
पयेपे। ज्ञमनिम्रतारीयां ज्ञाज
[illegible]हमारी। तारणतरणजिहांज॥४
[illegible]तजालनकरवश्रज्यौ [illegible] मस्त
मज्ञाधारस्करपतिनगहसहिलनंद
र। [illegible]जिनभक्तौउदर॥५॥ [illegible]
[illegible] सपनिज [illegible] ॥६॥

दिख्यांकियेसे गानकेस्नेहैना। दिखावित
मकार॥५॥खरतरगछ जिनरंगी
राजसागरउवझाय। ज्ञानधर्मदीपचंद
सुपाठक। सदगुरुतणै सुपसाय। देवचं
दजिनभक्ति गायो। जनममहोछवबंधबो
धबीजअंकुरैउलस्यो। संघसकलकल्याण
द॥७॥रागवेलाउल॥ इमपूजाभगतें
करो॥ आतमहितकाजतजीयवीभाव
निजभावतारमतांशीवराज॥इ॥ का

ल[illegible] ताणे [illegible]॥ दि [illegible]
सोहे [illegible] जिनराजंल दिणंद॥ ६७॥ जि
नमहि [illegible] लपवै॥ [illegible] स्तिवंत॥
विरचै जिन[illegible] प्रतिमा तणो॥ [illegible] नं
॥ ६८॥ देव जिन पूजतां॥ करतां भवपार॥
जिन प्रतिमा जिनसारखी॥ [illegible] सूत्र मक
र॥ ६९॥ इती स्नात्र पूजा संपूर्णं॥ संवत
१९२२ रा वर्षे मीती आसोज वद ११ ॥ १
॥ श्रीरस्तु॥ ॥ श्री कल्याणमस्तु॥

।अथ अष्टप्रकारीपूजा लिख्यते।।दूह
स्वस्तिश्रीसुखसरखा।कल्पवेलनोसार।५
पूजाजनविजिननीकरी।अष्टनेदसुविचार
जल।।गंगामागधक्षिरनिधिप्रमुखदधि श्रि
तसार [illegible] विजले।करीजिनस्नात्र
उदार।मणिकनकादिकअष्टविधकरी
नरिकलसंकार।कजलचिजेजिनवरन्हवे
तसुनहीउरतप्रचार।।१।।विलसिखरजिम
सुरवर।जिनवरन्हवणअमांन।करताव

रह्या निजगुण समकितवृद्धिनी खांन ॥३॥
अंनंतेन्द्रसरासेंद्रआवेस्नात्रकरीएम
सीसपावै । जिहा लगैसुरगिरिजवूहीवो
मतणाथजीचिरंजीवो ॥४॥ श्लोक ॥
मलकेवलभासनभास्करं जगतजंतुमहो
कारणं । जिनवरंबहुमांनजलोघतः सु
नःस्नपयामिविशुद्धए ॥१॥ॐह्रींपरमा
नंताय...जन्मजर निवा
...जिनेंद्राय स्व

इतीजलपूजा॥ अथचंदनपूजा॥ दूह
बावनाचंदनकुमकुमा॥ घनसारदिकमसार
जिनतनुलेपेतसुरटले॥ मो[illegible]सापदिकार
॥१॥ढाल॥ कर्मसंतापनिवारणकारण
सकलनवृत्तित॥ परमभक्तिहात्मअरिहंतचक्र
चरचीनविनित॥ निजरूपेतपयोगीधारी
निजगुणगेह॥ भावचंदनसजभावकी नालि
उत्तमअठेह॥२॥ जिनतनुचरचतांसकलच
नारकी कहेउघुतेदवतांभालत्राकी

रसा निजगुण। समकितवृद्धिनिदांन॥३॥
अनेईन्द्रसंर। इंद्र। वे स्नात्र करी एम कौ
सीसधरै। जिहांलगै सुरगिरिजंबूदीवो। अ
मतणानाथजो चिरंजीवो॥४॥ श्लोक॥ वि
मलकेवलभासनभास्करं। जगतजंतुमहोदय
कारणं। जिनवरंबहुमानजलौघतः। शुचिम
नः स्नपयामि विशुद्धये॥१॥ ॐ ह्रीं परमात्मने अ
नंतानंतज्ञानशक्तये जन्मजरामृत्युनिवार
णाय श्रीमते जिनेंद्राय जलं यजामहे स्वाहा

इतीजलपूजा॥ अथ चंदनपूजा॥ दूहा
बावनाचंदनकुमकुमा॥ मृगमदकेशरसोर
जिनतनुलिंपेतसुदृढै। [illegible] दिकाल
॥१॥ ढाल॥ [illegible] संतापनिवारणलारण
सजनवृत्तिस। परमअनिहाअरिहंतसनु
चर्चोनवितिला। निजरुचितपयोगीधारी
निजगुणगेह। नावचंदनसजापावहीं [illegible]
उभअविह॥१॥ जिनरतु [illegible] संतोसारु
नारंकी कहि [illegible]

रिमाएखरस्रात्तूघत्तैत्त्वि। यरमत्तत्वमर्यहिय
जामहे। तुँड़ीयदि। ज्ञानंताए। जनमए। स्रु
ष्फयजामहेस्वाहा॥ इतीसूफरूजा॥ ऋ
थघोषीधुपरूजा॥ डहा। कृत्तगरमगप
कलगर। ज्ञंवरवुरकलीवांन। मिलसुगंधघ
नसारघन। करेजिननेधूपप्पांन॥ १॥ जा
प॥ ध्रूमघटीजिममहमहे। तिमटलैपात
करेंद। ऋरतत्रअनादिनीजावे। पावेमनऋ
णंद। जैजिनसूजेधुपे। नवरूपेकीरलेह

लाखैपाटैअजवघरन्आवै निमअसिह ।।२।।जि
नघरैवासतां धूपदहै ।मिक्षतडंगंधिसाजाय
रुहै। धूपजिमसहजऊर्ध्वस्वभावै। कारक
उचमतजावपावै ।।३।। श्लोक।। सकालक
र्मसिंधनदाहनं। विशुद्धसंबरकाजसाधूप
नं। अमुनगुणसमृंगन्निर्जरानं। जिनपसे
पुरतोऽस्तुहर्षतः ।।४।। ॐ परमात्मने अ
धूपं यजामहे स्वाहा ।। इतीधूपपूजा ४
अथ पांचमी दीपपूजा ।।दुहा अणीदू

से।निजसहानेसनमुजनमुजमोवेजेह ग्प
ओ। .. गुण ताचैनावेस्वस्तिकएह।।२।स्व
स्ति.. हरतांजेन.. ..।स्वस्तिश्री।नइक..
स्याणआणै। जनमजरामरणादीत्राण्ड भ
ञाणै। नियतसिवसर्मरहेतासञाणै।।३।।
श्लोक।।... कलमंगजकेजनकेतनं परम
मंगलसावनयंजनं।।अयतत्रअजनांद्गति
दरसिनाःदयतिनाथपरीक्षत स्वस्तिकं।
।।४।।उँह्रींपरमातमनेत्राण जघ त्रदत

भ जा महिस्याहा॥ इतीअसृतपूजा॥ ६
अथसातमीनैवद्यपूजा॥ दुहा॥ [illegible]
चिएकवांनवकाः [illegible] उरलरीमें
वद्यजिनआगलैकुमुदिम्रतस्कहूर॥१॥७
ला॥ जपनश्रीवरधिसुरस्ममहम्रमोतीहूर
सिंकेसरीयाले वियाश्रालियामीर्याल्यार
[illegible] कस्रप्रसिघोडा [illegible]
करीनैवद्य जिनआगलै [illegible]
नवद्य॥२॥ नीकतांकीज्ञ परिसाद्यपांगी॥

विजनानिजपुष्टि कलिं पुत्रं गीन्नापसन्न वीम्
कस कीरन तो जा। ज्ञाप जोतात जीजगत
पुरुष।।श्लोक।।सकल भुजनसंग विवर्ज
नंसकुलानेतनजाद विलासकोसरसजोज
नजरहि वृंदन्नात्ता परमनिवृत्तिजावमहेस्व
हे।।१।।ॐ क्लीं ग्रौं।जं।ज्रीं।नैवद्यंयजा
महेस्वाहा।।इतीनैवद्यपूजा।।ज्ञथत्रा
रुमीफलपूजा।।कलं।दकवीजोरुजिनं
कनेरोवदतासी

कदलिपो।स्य।लि [illegible] नैं [illegible] ही।।९।।ठाल।।
श्रीफलकदलसुरंगला।रंगीजं [illegible] सारः
कंजीरीजंबीररसंरसकौणा।सटबीजस्फू
रामधुरसुस्वादिकवससलोकमना।दिल
जेह्वरणगंधादिकरमणीक।वकफल
ठौकेलेह।।९।। फलनौरैसुजतांजगतस्वा
मी।मनुजनंतवेलहिसफलदांमी।सकल
सुनिध्धीयगतिनैदरंगे।।श्लोक।।वादुक
कर्मविपाकविनासनं।सरसपकफलनूप

विजनानिजपुटि केउन्मेरीनि
मसमीसमनीजा। आयुजोतः
पुख्स ॥ श्लोक ॥ सकलभुज
नंसहस्त्रकेलनगान विलासकं।
नजसन्निधिकेदनाना परमनिवृत्ति
है॥ श॥ॐक्लींमर्ण। जय श्री॥ ने
महेस्वाहा॥ इतीनेवधस्नजा।
सुभीकलसजा॥ द्वा॥ द
कतेहिबतांसीवपछेईं।

धुकरंपयलपलीम।मोजिनुहजानाउनि
णवांणीरसपीन॥ए॥ ञेदडगुङ्गुजङ
सुरंडं हर्षजरंगउयोश्रीजीर्दर्ड। तासफ
लकफलथीसकलशांणी।ल्तोझोनउथे
लयनविवसानी॥२॥श्लोक॥इतिजिनवर
वृंदेनभिरांप्रजयोत्तिसकवगुकनिधनंदेव
नेद्रस्तवंती।प्रतिदिवमनंदं त्त्वगुशावये
तिपरससहजरुपंतिश्नोकुंर्सि॥
इतीअष्टप्रकारीपूजासंपूर्ण॥ए॥श्री॥

णेकलं।निदिजनीलफलनसपुन्नेपुरके
रत किंव करावनराजना॥तेंभीपठजे
फलेर जामहिस्वाहा॥इती फलहजाप
॥अश्व कलसहजा॥ह्वा॥इनअविधु
जिनहनतां।विरचैजेथीरविसाललवज
नककलेकरे।बांधेसमकिसविहा॥२॥
ताल॥अमिणनपुणमणि।आगेंलाग
देदिलपायाअवधकरिउपसाशी।श्रीपान
मानरुवसाय।तासचरणकजसेकम

निकतको। धा। तू ग। टीरयदक्मिरिहं
नमै। धरमतुरंहृतदीरेजी। देशनाक्समतव
रलता। निजवीरजवदवीरेजी। तिवे।
टक। वरक्षहृयनिरम
नावप्रकासता। निजशुद्ध
चरणरिरता
स्नातीरद्रपा
करुणादेत
। १। ढाल।

गी सकोसे ॥५॥ ढाल ॥ तीरथपति प्रभ रिहं
नमो ॥ धरमधुरंधर स्वामी रेजी ॥ देशनाअमृतव
रसंता ॥ निजवीरजवमदवीरेजी ॥ तिणे ॥ नू
८ का ॥ ... निरम लम्पानजासनस्व
भावप्रकासंता ॥ निजशुद्धश्रद्धा भासनावे
...थिरतावासंता ॥ जिननामकर्मउपा
...पा तिहारजसोभंता ॥ जगजंतु
करुणावंत भगवंत भविकजनने सोभता
॥१॥ ढाल ॥ त्रीजे नववरथानक तपकर

ोणकाक्षुजिगजोमानोसवइदेक्षजिस
णसक्षणमरि॥जविको
ऋपदवंदो।जिपचिरकाले
सि०रतनत्रीयानोकंदोरे।
उपसमरसनोकंदो०नवसीo॥
जिहनैहियकलाणकदीवचे नरगेपिण
विहु।एककलत्राधिकगुणगेतीस
मीक्तघराहुरे।नवसी
नाराजीनुमारनालवणकरीवार पिरल्लाणी

गुरु कीनै ॥५॥ ढाल ॥ २ ॥ तीरथपतिक्रमरिहं
नमौ ॥ धरमधुरंधरधीरोजी ॥ देशनाअमृतव
रसता ॥ निजवीरजवदवीरोजी ॥ तिणि ॥ कू
टक ॥ करमक्षायनिरम लगपांनत्रासनस्वं
भावप्रकासता ॥ निजस्याद्वश्रद्धात्मभावै
सुद्धविरसतावासता ॥ जिननामकर्मप्रभा
वभलीस्वरूप ॥ तिहारजसोभता ॥ जगजंतु
करुणावंत जगवंदत त्रिकजनने शोभता
॥१॥ ढाल ॥ तीजेनरवरयांनकतपकर

क्रिया... ...सयोग... ...
...रणादिजे... ... ...। निरावरणजि. श्री
...रूपे प्रसिद्ध। थयापारपांमीसदासिधभुग
...त्रि जागेनेदेहवगात्मदेशा। रयागांनेमग्र
...। सिवणादिलेसा। सदानंतश्रीध्या। श्रित
...तिस्वरूपा। अनाबाध अपूर्वादीस्व
रूपा। ... । सकलकरमजल क्षयकरी
...स्वरूपोजी। आमाबाधप्रभुत
मयी। आतमसंपतिरूपोजी। ... ।।

क. रिक्ष्या... ...स्वार्स्याव... ...
...सामाद्रिकीरी स्य... ... निरावरणजि. श्र
...सिद्ध सिद्ध। अयायारपांमीसदासिधबुध
...देखवगात्मदेस्या। रयाग्यांने मय
... दिनैस्या। सदानंतश्रीव्या। श्रित
... ... । अनावाधअसर्ववादीस्व
... । वाल। सकलकरमसल क्षयकरी
... स्वरूपोजी। आमावाधप्रभुत
...। ...संपलिनूपोजी। नूटक ॥

नि:स्वन्नालसहज [illegible] दीनासि
.शेकरी।स्वरूप।अ [illegible] नेकांतन्नावि गुण
अनंतात्र्यादरी।अनन्नावगुणपर्याय म
रणित।सिद्धसा अनपरणीगुणीराज
ज्ञानस्करहं समवकानमो सिद्धसंत गुण
।जाल॥समयपएसंवस्त्रम फरसी।प
रकिसा।दीसे।अवगाहनलहीजे सिद्ध
हा।सिद्धनमो तिन्नासेसरे॥न०॥१॥ हरकु
द्रव्यो मनेगतिप रिणमै।बंधनछेदन संग

...तिजेहथी।तेसिद्ध...
...रे॥जण॥ निरमल... सिलानिऊपर जे
...एक जोकं...सा... अनंत तिहां थित जे
...नी।तेसिद्धप्रणमीयंतरे॥जण॥ जांणे वि...
...केकहीपरगुंण प्राकृत तिमगुणजा
...
...उपमा विणनांणीजवमांहि।तेसि
...सरे॥जण॥ जोतिसुंजोति मि
...जसु...उपम विरमीसकल...

[illegible] आपतिसमरी [illegible] [illegible]
री॥न॥ढाल॥ [illegible] तेरास्फुभावजी॥के॰व
लदंसणनांणीरे ठिधाता॥भीजआतमा॥हो
इसीधगुणखांणीरे वि॰॥इतीडजीकलसे
पूजा॥१०॥हिवे आचारजपदलपो॥ध्व
जाकरीविसीस॥मोहतिमरडोरेहरेस्कजे॰आ
वल्लसिस॥
हणं॥नमो॥२४४रसम्यग्ह्णं॥सहुसण॰
णसमायुरागो॥अरवंनव सीसगुणपद॰

स[illegible]तिजिहथी। तेतिहुं[illegible]मे
रंभरे॥ ज०॥ निरमल[illegible] सिलानिऊपर जे
युगएक[illegible]सा किअनंत तिहां थितजे
हनी। तेसिद्ध[illegible]अंतरे॥ ज०॥ जांणे वि
ण[illegible] आकृति मगुणजा
स[illegible]
[illegible] विणनांणी ज्ञवमांहि तेसि
[illegible]रे॥ ज०॥ जोति सुंजोति मि
[illegible] विरमी सकलउपाधू अ

...ताय तिसमरी ... सं
रि ॥ ज॥ जल ॥ ... तेरस्वभावजो ...
तदेसणनांणीरे देषांता निज आतमा ॥ ६
इसी धगुणबांणीरे विधि ॥ इतीढजीकलसे
पूजा ॥ ६ ॥ हिवे आचारजपदलर्ण ॥
जाकरीविसेस ॥ मोहतिमरहरेहरेरस्तजे ॥
क्कसिस ॥ १ ॥ ... ॐ
हणं ॥ नमो रहरसम्यमहाणं ॥ सद्देसणा
णसंभायसाणं ॥ अखंजन्न ... सीलगुण ... यर ...

लक्ष्मसारिराजा सद्गत्वलोजा ।जिनेश्वरमेंडी
उसमाज्मलाजा ।बहूवर्णकर्गिविशुद्धसोज
रोमा ।पंचाचारनेपालवेसावधान ।।१।। न
विस्तीर्णदेशानादेसकालेसदाजनसंभल
स्याससूत्र आले ।जिकेसासनाधिरदिपदे
सीकल्प ।जगत्रैचिरंजीवोस्नद्जत्या ।।२
ताल ।।आचारिजमुनिपतिमणी ।गुणन
निधिधूमसोजी ।चिंदानंदरससवादता पर
नालिनीकोसोजी ।।आय ।।दृष्टक ।।त्रिक

गतिरमहतेम्रपधर्म्मिरहद्रजा।साख्तनिलातिरधइ
रथी। वरमपांनदरसणचरणवीरज साधु
आपारथी।जविलीजवोधुकरस्वसोहप
सयजगुणसंपतिधरा।संवरसमाधिगतत
पाधिद्वविधतपगुणआगरा॥जाल॥ च
आचारिजरुक्षपाटै।मारगलाधेरमाचो।ल
आचारिजनमीयेनेहरुपा।प्रेपकरीनेंजाचो
रे॥जा॥ [illegible]
अनमनमोहि।जगवोहिनरहैमीजलहिहै

सूतमुं तेजोहेरे।।ज०।।जिनअप्रमतधरमउ
वएसे।नदिविकथानकथाय।जेहनेरेअ
चारिजनमीले।।अकलंकअमलअमाय
रे।।ज०।।जेहीएसारणवारणचोयण।प
डिचोयणवलीजननें।पटधारीगछथंभ
आचारिज।तेमांन्योमुनिमनमेरे।।ज०।।
आयरीये।जिणसूरजकेवल।वांदीजेजग
नादिो।भुवनपदारथप्रगटपटुतेआचारि
जचिरंजिवोरे।।ज०।।ढाल।।१पातआच

रिजनजामाउमंअञ्जनधर्मानेरोपजअसांति
आतमा।आचारिजहीयधंजीरे॥६॥विवि
॥इसीतीजीपूजा॥रूहा॥गुणअनेकज
गतेहना सूदिरसोजतगात,उप.ध्यायपद
आरद्दिये।अनुजवरसनेपात्र॥१॥छंद॥
अलक्षविहारणलपराणं।नमीनमीजाय
गऊं;जराणेगणस्स्साधारणसंघराणं।अ
खंभक्षिसमुणाहराणं।नहिस्तूरिगुणस
रिगुणनेसहाया।नमुवाचकासकेमदर्शा

मायांक्लीविद्दरांगीदिस्त्रार्थमांने।जिके
सावधंनेनिरुधाविमांने।धरेपंचपंचवगि
तगुणो।प्रवादिद्विपोछेदनेसिह[illegible]।गुणीग
छसंधरगेस्तंनकूता।उपाध्यायतेवंदीयेचिय
तगुणुता।[illegible]।रवंतिजुवामीतीजुवा।अ
[illegible]वमहद्वजुलाजी।स्ववंसोयऋकंचण।तव
श्रेजमगुणरतांजी।।रवं।।द्वल।।जेरम्यांडस
सुगुरुगुणासुमतिसुमता।छतधरा।स्यादवाद
वादिसत्वबोधकआत्मपरजेजनकरा।जक

न्हसाधुनधीरसासनवहनधोरीमुनिवरा।मिन
तवाचनदानसमरथ।नमोपाठिकगुणधरा॥८
३॥वादसअंगसिझायकरेजे।पारगधारकज
आ।सूत्रअर्थविस्ताररसिकते।नमोउवझायते
ह्रारे॥नपसी०॥अरथसूत्रनेदानविभागे।आ
चारिजउवझाय।पवित्रपणेजेलहेशिवसोपाननमो
इतेसूपसायरे॥न०॥मूरखशिष्यनिपाइजेप्रभु
पाहणनेपल्लवआणेतेउवझायसकलजनपूजित
सूत्रअर्थसविजाणेरे॥न०॥राजकुमारसरिखा

मलिचिंतको। आत्राप्रजपदजोग। जेउवज्ञाय
सदातेनमरो जावेन्नयजयसोगरे॥ जणि॥ बा
वनाचंदनरसमवयणोअहितताषसविला
ले। तेउवज्ञायनमीजेजेवलि। जिनसासनअ
जूआलेरे॥ जणि॥ ७॥ तपसिझायेरतसद
द्वादशान्गनोध्यातारे उपाध्याययेआलमा
जगबंधवजगभ्रालारे। विणि। इतीचउथा
नसहजा॥ हुवा॥ मोक्षमार्गसाधकनणी साद
हूंनमयाजेह, तेमुनिवरपदवंदतां निरमल

थासैदेह॥१॥ छंद॥ साउजसेसा छिज्मंजेसि
णं॥ नमीरुष्छदयादमाणं॥ तिसुहिड सारुसं
हियाणं॥ सुणिणलाणं दपच्छियाणं॥ करैसेव॥
नाऽसुरवायकग॥ जिनेंकजवण्णितेहजीसकु
णीजें॥ समैतासत्तपंचसुमतिनिरुत्ता॥ निरुले
नहीकामभोगेहुलिसा॥ वलिवंलन्भिंवरे
यंथुटाले॥ ह्नयासुक्तिनैदीणचारिनपाले॥ ज्ञ
नेणंगयोगेरमैचित्तवाली॥ नसुसाधुनेतेहनीज
वापदाली॥ ७७॥ सकलाविषयविसवारमैं

किंकोमीको सोंमीजी॥ नवद्वेवसावसभावता आतमसाधनरंगीजी॥ दूटक॥ जेरमाशुद्ध स्वरूपरमणे॥ देहनिर्मलनिर्भय॥ कांतसम सुद्धासन॥ ध्यानअभ्यासीसदा॥ तपति जधीविकरसजीपें॥ नहीजीवेपस्लणी॥मुनि राजकरूणासिंधुत्रिभुवनबंधुप्रणमोहित जाणी॥ ढाल॥ जिमतरूफूलेभमरोबेसे थी जातसुबलपाई॥ लेइरसआतमसंतोषे ति मद्युनिगोचरीजायरे॥ जग॥ लोंदेइजीनेजि

तसीदि।घटकाया जदिया लाक [illegible] अंदल [illegible]
रे आराधो।वांछु तेह दर्द [illegible] रे॥जग०॥ अकारि
सह त्रिलोगनाथीरी।आवल अमार स्या गि [illegible] सु
जिम हंत जयलालु तसंदी।वीजेजअम्पद हि जो
रे॥जग०॥नवनिध अलखु सिद्धि पावो लाख सवि
द सूख।एह वासु जिनजी देखो प्रगटे।हर्ष [illegible]
कोड़ करीरे॥जग०॥सोनानी परिस्यादी [illegible] जिन
रुचपदवी सोभी सेजमन्दप करतासु [illegible] श्री
[illegible] कुमलजां नेरे॥जग०॥ठाल॥ आहस

जिहांभी आंखीजी॥ अंबद्रव्यसावसभावता
आतमसाधनरंगीजी॥ दूहा॥ जेरम्याशुद्ध
स्वरूपरमंछे। देहनिर्मलनिर्मदा। कायसंग
सुद्रिड आसना। ओलक्ष्मासीसदा। तप्रति
नहीकिकरनजीपे। नहीजीपेपरनंली। मुनि
राजकरुणासिंधुत्रिभुवनबंधुप्रणमौहित
मली॥ढाल॥ जिमतरूफुलेभमरोबैसे पी
डातसुनउपाई। लेइरसआतमसंतोषे ति
मसुनिगोचरीजाय२॥ अणि॥ पांचेंइंद्रीजेजि

नहींदिं।सटकाया।जंवीपाला।ल स्थल
रेकाराधे।वांडुतेहदसमररे।।जवा।।
सहश्रिलेगनाधीरी।काचरकार रसारि
त्रिमहंतजयसजुतसंदी।वीजेजनमदत्रि
रे।।जवा।।नवनिधबलसमिले
हसूस।एह वासुनिनमीदिजेजगदे।दूर्लु
कोकरीरे।।जवा।। सोनानीपरिस्तादीसी
रचपठेदांमीसेजमण्यकारसारुभिनस
रसकावथीसमहणांनेरे।।जवा।।दाल।।

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] संकारणपंचाय [illegible]

वकरणी तत्त्व तायकं प्रतिपुले ॥६०॥

सू देव गुरु धर्म परिक्षा ॥ सद्दहणा परिण

म जेह पांमीजें तेह नमीजे ॥ सम्यग्दर्शनना मे

॥६१॥ सत्य उपसम क्षय उपसम क्षयी ॥ जे

हेज त्रिविध अंग ॥ सम्यग्दर्शन तेहनी जे

निश्चयें करंगरे ॥६०॥ पंचाचार उपस

मनी हिं जो क्षयउपसम अभ्य संग एकवार स्पृ

जन ते सम्यक् दर्शन नमीइं अचंभरे ॥ [illegible]

जे विणनाणसज्झमाणनहोईचारित्रसम्यक
विफलीउं। कर्मनिरवंश...ऐ ली विणलहीए
समकितदर्शणवलीउरे॥ज॥०॥ समकित
बीजेजेअवंकरीयो॥ज्ञानचारित्रनोमूल
समकितदर्शणतेनितप्रणमुं। शिवपंथउ
...रे॥ज॥॥ढाल॥ समसंवेगादि
कगुण। क्षयउपसमजेआवेरेदरशन...
हिजआतमा। सुहोवैनामधरावैरे॥...
॥इतीअष्टमीकलशपूजा।

पसम[illegible]ीलं[illegible]सिअंकर सयमो॥ऋ
षिदेसुनमनो॥हिंदरजाधिकतकाह॥ १॥
अंक।अत्राणसंयोहतवोहरस्स नमो
नाणदीवायरस्स।पवेपयारस्सवनारस
स्स।सुसाणसवत्रपायासगस्स।होइजेहथी
र्यानगुधवलोधेथ्यावर्णनाथेविचित्र
विजोड़े।सिमिजोलीयेवस्तबदृअत्र
ना।नक्त रतसावाद निजवासनावा।हो
ड़ंचमत्रा।दिसूरमोनरोहि।गुरुपासथीजे

प्रतातिहजेहिवलिहि [illegible] उपादेयरूपे।स
हैचित्तमांजेमधरातेंवदीयें॥ढाल॥नवा
मीगुणगणनमों।स्वपरप्रकाशकज्ञावेजी।प
ञ्चम्रधर्मज्ञानंतता।जेहनेहमज्ञावेजी।त्रो
टक॥जेमुख्यपरिणतिसकलस्वायकनी
भवासविलासना।मलिज्ञादिपंचप्रकारनिर
मलसिधसाधनलक्षना।स्याद्वादसंगीतत्वरं
ग।प्रथमजेहनेदसा।परियत्तनेह [illegible]
वस्था सकलसंसयवेदसा॥ढाल॥ [illegible]

[illegible] विण लहीइं हियइ आणि विचार
[illegible] तेअनुसरता [illegible] सहीइं ध्यांनतिं अकल
आधूरे ॥ ५ ॥ अध्यातम ध्यांनने पछे क्रिया
[illegible] तेहनाखुं ध्यांननें वंदे ध्यांननें नी दो
ध्यांनीइं शिवसुख पाम्युं ॥ ६ ॥ सकल की
[illegible] सतें अवग्रहतें हेतु मूल जे कहीइं तेह ध्यां
[illegible] निरवंधीजे तें विण कहो किम रहीइं रे।
॥ ७ ॥ [illegible] ध्यांन माहें जेह सदागम स्वपर प्रक
[illegible] तेहा दीपक परे त्रिभुवन उपगारी। वलि

जिमरविआशिमिल्पो॥नमि॥तीर्थंकरपिणहुती
र्थपयोतिणुवैमाणीकनैसिद्धलोकमांहीन
रुणटमविजैह्यो तेमांनेगुणसुम्हरे॥नमि
०॥ढाल॥ग्यांनावरणीजेकरमछै॥दरी॥
समतसथाइरे तेहीइएहणज्ञासणां॥ग्यांन
आवीनांजाइरे॥वीर॥रतीसातमीनाल
सपूजा॥दूहा॥अरूपपदनारिअमोघ
जोधरीकमेदातुजनअतुलप्रसमिरी॥
पातिकहियबलेद॥१॥छंद॥आसाढि

...कीसुख... सुख। कीश्रेजमविरि
अलख। रुजावरा ... हिव हिरस। लिवाण
दलगाइसुकुलख। लनीम्यांनकलंतेधरि
न ...रे। त्रिसुसंसमाधारसेधवयेगे। न
वांवे हिसंताररोयानकुल्यां। धकतेहचारि
नअश्राहिमल्यां। होइजासमहिमाथकीरे
द...जा। वलीधारवोगीतणीहीजताजा।
द ...कघो पिनिपारथ्यांवे। थइसिधते
... मनेप्रारजावे।। जल।। चारिकुणअ

लिवलिनमी।तत्त्वरमणजरङ्गलीली।परस्व
लीयपणीटलेसकलसिद्धगुरुइलीकी॥
त्रूटक॥प्रतिकूलकाळ्नावत्वमंजम।तत्व
थीरसादममयी॥रुचिपरमस्वेतिमदिर
स्वपद।पेसेस्वरउपचयी स्वमायकादिक
निदधर्मियथारवपातिसणतिा अकषायस्य म
ऊलस्य अमलउज्वला।कोमकयस्वनरू
ता॥ढाल॥देशविरतनेसर्वविरतिजे।गु
हियतीनेत्र्यवीरामा।तेचारित्रजगतजय

[illegible]स्तुतेपि॥ज० ७॥ न्हवदरिजे
[illegible]कलोली॥ चक्रवरतिपणवरीने रे
[illegible]स्यस्वअकारणतेमेमनमांधरी॥
[illegible]॥ क्यारांकलसेजेहआदरा॥८॥ज
[illegible]॥ असरणसरणचरणतेवांड
[illegible] षांनआनंदेरे॥ज०॥ बारमासपर्या
[illegible]लने॥ अतुलरसअतीक्रमीइ॥ ऋ
[illegible]लिजातपलेणपर॥ तेचारित्रनेनमीइरे॥
चयतेआठकर्मनोसंचय॥ रिक्तकरेअतेह

चारित्रनांमनिश्चेतेनाछुं।तिनोउगुणोछेरे
॥न विणिताल॥आंनीचारित्रतिआलमा।निज
स्वभावमांहिरमतोरे।निश्चयशुद्धआत्मेकस्यो
मोहवनेनविजमलोरे।इतीअष्टमपदपूजा
पूजा।।कर्मकांडप्रतिगालवा।परिहिस्य
गनभमांन।तिनपदपदकजोंमदा।निरमःद
धरीयोधमोना॥१॥ छंद। कमहुणुद्वलनलेज
निवतवोहरस्य।अणिगत्नहीण
वेभणसाउस्यज्ञानत्याणयसे

हुयमनमुक्ति सुं नहि किया अछिं। पयडीय
सुखवांडैं। तिरिह समग्गं। किआ वयम्हरग्गारं
कोली पिडा वयणारं। हि जयु विजय वक्कं। सिद्धच
हं नमामि किंचि कालिक पलों कर्मक आयनालें
निकाचित मणो बांधीया तेह वालें। कहोतेह्वे
पकारे नन्नांतारहुवेथे। कमायुस निर्विध्धं
नजीवे छै। इहां समहि माथकी नहि सिद्धि अ
नेक कपुणो कर्म आवर्यष्ठादि तपो तेहतप।
जेह माहतां दहेते। इह सिद्धमाने हिणि जिम

संडेशीडमानपुद [illegible] गिदरं [illegible] आ[illegible]
रनतस्थिवजावैद्दिनर [illegible] दपार्थे। [illegible] वि-
गु[illegible]गावै। थ्रिहचक्रडजावै सविझरत[illegible]
[illegible]जयकारपाविं॥ ढाल। [illegible]
नथी [illegible]
सतायुरयपरणिसउक्केदिजी॥ त्रटक॥
कर्मश्रिना थ्रिमंतलिजेहथ्रिहपणीवरैवि-
गेश्राहारटाली ज्ञानश्रिथलाकरै। अंतर
महारततं वृसाहिसर्व[illegible]वरसाकरै

आरसरसां [illegible] दासिदाए आदरी
इमव [illegible] गोजी
सालवडे जिआदरिलपुर प्यांनेजां लेली॥ तू
ट क॥ निरधारसेली गुलेगुणनो करेजेवड
सां नग। जसुकरणहतां तत्वरमणैथया निरम
लआंनग॥ इमजड संसानलोचेतनअंकल
सिद्धिअनुक्रमे॥ अक्षयअनंतमहंतचिदघ
नपरमआनंदतावरे॥ आथकलश॥ १
इम [illegible] सुखकरसुं प्रभुइंदर सिद्धचकप

प्रवदीसति[illegible]द्धि विउ [illegible] [illegible]रजविका
[illegible]करवो[illegible]स.ऽदरम्मीरा[illegible]
ग्यानधरमसुराजता।अदीपचंदसुदरणि
जीवकादेवचंदसोभता॥ढाल॥जाणंत
[illegible]क्षमपेनेसंयुततिनविसुगतिदिखांघाजेह
आदरियेकरमसपासे।तिवपरिवटकंदे
रे॥जणी॥करमनिकाढितसिणक्षयथाई।
क्रियासहितजेकरसां।तेतप[illegible]मसांतेहदी
[illegible]।जिनसासनरजम[illegible]रे।

[illegible] वजावहि होवे गाइ[illegible] जेहमा
ण[illegible] नमी[illegible] तेतप ना वेरी
। नमि ॥ फलविव [illegible] ना मेहुं सुरनर । संपदि
जेहनुं [illegible] । तेतप [illegible] रतस्तव हि आंवांड ॥ शा
सन [illegible] । नमि ॥ सर्वमंगलमांहे प
हिलो [illegible] । वरणवी इं जे ग्रंथे । तेतपपदवि
ज [illegible] नमीजे । वरसहाय शिवपंथरे । न
मि ॥ इमअनंतप प्रगुणलो लिहं लीजो । उज्वल
[illegible] । [illegible] लाहे चे ये अंने

एहइम पारखी ताकरी ॥ जवि ॥ ढाल ॥ [illegible] थि
संवरी ॥ परलल [illegible] ओरे [illegible] आ
तमा ॥ वरते निजगुण जोनेरे ॥ वि० ॥ १ ॥ आग
मनो आगम तणो ॥ जावते जांणो साचोरे ॥ आ
तमआवे थीरहु ॥ परभावे मत राचोरे वि
वा ॥ १ ॥ अह सकल समूहने ॥ घट मांहे रूध
लीरे ॥ जिम नवपद रूद्ध जांणजो ॥ आतम रं
गद्धे साथीरे ॥ वि० ॥ योगअसंब छे जिनकसा
नलप [illegible] लेकतेजांणीरे ॥

[illegible] वकलहिहो वेजासं[illegible]

[illegible] नको[illegible] तेतपनावेरी

नमि। फलतिव [illegible] मोहुंसुरनर। अंपति

जेहतुं [illegible]। तेतप[illegible]रतरूप हिआंवांडा [illegible]

[illegible]री। नमि। सर्वमंगलमांहेय

हि [illegible]। चरणवीइंजेयुंथे। तेतपपदवि

[illegible]जी। वरसहाय [illegible]शिवपंथरे। न

मि। [illegible] लोलिहंलीजे। [illegible]

[illegible]। [illegible]

॥अथसतरभेदीपूजा॥लिख्यते॥दूहा॥
नावनलेनगवेतनी॥१॥अरहंतअवकार॥
परसिधकीधिरूपदी।अंगखवेआधि
कार॥१॥रागसरपदी।ज्योतिसकलज
कलजगजागती१अझयोजागतिए।स
रसतिसमरिसनिंदासतरसविधपूजा
तणी।पभणीसपरमाणंद॥१॥गाहा॥न्ह
वण१विलेवण२धव्वयुगं।अंवव्वणं।गं
धारुहणंचवुफरोहणीयंप

[illegible]यंजन्मणिक्त: [illegible]कामायस्[illegible]जंरणे[illegible]
[illegible]मालकलाय्स्कयवेसाथसं[illegible]पुष्कस
गरेचा१[illegible]अंगलव्यं२१ ध्रुवतबेवा१४ग
[illegible]यं५[illegible] नहूंवजंतहाजणीयं।।[illegible]स
[illegible]विधसजापवरं। पालाअंगमकार
[illegible]यदिपेरे। करियेविधविस्तार
६।। रागदेसाषु।। सर्वसुषसावनंकरदराप
[illegible]धरतीधरीतुचतमानी।। हे[illegible]
[illegible]। [illegible]सुखकोसकेरिवरगंथोदकै

विधि। नमलिजिनसुगदेसिःमहस्तेनवं।।भावि
नेकरियवावारस्वारीहे।।अपचावि।जणीश्
ऊसफमंजलीकलसविधमानरसी।।त्रणि।।
स्नवतजिनइंदजिसतिमनभमारी।।आपणि
हुए।।पहिलीप्रजासाचवेश्रावकशुनपरि
णोमश्रचिपवालतनुजिनतलेकरैस्नात्रस
हितकोम।।१।। परमाणंदपियुषरस।।स्नवण
सुगतिसोपांन।धर्मसपतरुसीचवा जलश्रम
स्वरसमान।।२।।रागसारंग·

कबीरस्किअरस। लतबुकीयमेरेमनकी।।
हिमहोमिय।। होरू।। ६।। अनुकंविलोकतज
तनश्रमालि। करलगुकालसफछित्र रबनक
सणि। नृत्यश्रम निजब्रजनबुलावलीवे
कला नरमुमेसेधनकी।। होरूणि।। २।। तरव
दारस। नवृक्षिदुतरलकी।। हेसीणि। मंजरीसं
पुष्पफलवृधनकी।। होहेवण। शिवउरपं
नि[illegible]दीयो। भुमरात्मापदवेलीमरद
नकीहोहोमुपा।। होपहूणि। सकलकअलंग

मिल्यो हरि रूप अलि संग। जागी सु दिशा [illegible]
दिन की रूप मेरे दीन की। कहे साधु की रत
रंग [illegible] रही। [illegible] मेरे मन की॥
हो मेरो। हिष्प। इती न्हवण पूजा। राग रं
गगीरी॥ [illegible] जिन मन रंग स्युं रे देवा
गाय॥ देवा [illegible] मिट [illegible] सेतु। हो रे देवा
वा ससुं। [illegible] य [illegible] दी। १। [illegible]
नचे [illegible] चंद [illegible] लीथैरे॥ देवा नंपा [illegible]
[illegible] कामसे [illegible] थैरे। [illegible] थैरे

रयणविगालकंठ...गेहैं॥२॥ ..जानुकरखंधे
सिरेरिं।देवांथुलिलाटेसंवरछदरंतरें।उदरे
हरेंदेवाररफकोरे।तिलकनवेअंगकीजीये।न
...सुरवाचावलसरेरेआवकहु॥ आवकह
...जिमखरगिरे।तिमकरेहरेदेवातीमके
रे।जिमंजजिणमनरंजीये॥६॥दूहा॥करऊ
...सदनासीजिनचंदसरीर।तिल
कनवेंअंगेपूजतां।लहेनवोदधीतीर॥९॥मि
टेनामुलत्रुदेहको।परमरिरसतासंग।चिंतवे

दसकउपसाौ॥ अमस रेगा॥२॥राग वे
लावल॥विलेपनकी जैसी जिनवरअंगे जिन
वरअंगअगंदे॥वि०कुंकुमचंदनमृगमदघनसु
दरा॥अगरमिश्रतमनरंगे॥१॥वि०॥कमलउप
रखंधैसिरआलकंधरउदरंतलंगे॥विजुरि
अघमिरीकरत विलेपन॥तातजुजीवलिमवं
गे॥हे वि०२॥ददअंगनवरतिलककरत है
तिलनवेनिधचंगे॥कहेसाधुतनमनलीकरीसु
चवितमजा जैसेगंगतरंगे॥हे वि०॥इतीवी

लेयनहुआ॥ दूहा॥ कुसुमनजुगलकुम विमल आरोपे जिन अंग॥ जाम्पांन दर्शनलहे हूजा नतीसुप्रसंग॥ रागगोडी॥ कमलकोमलपन चंद्रनसुरभित स्कंधे अधिवासी आए॥ हे अवि॥ कनककमे मिलेहय लालपलवसुचि वस नसुपुंकांत अतिचासी आए॥ हे अवि॥ जिनप आसनसंबेसु विधसुं कीजए॥ करियपहिरा वलीकेहूये है॥ हे अवि पापकूहण अंगकूहलीदे नमें वस्त्रजुगलजमलधी इथेए॥ आव॥ राग

वेरागी॥दिवडअगुर॥सजावन्मोहै जगतगु
रु निकोवमीहि॥जगणि॥दिवडअहरन्मुलमु
तनीमांगुं॥उहिहिसवहीहिउहिहिमुगतिदात
तिणनमिरप्रभुजीकेचरणलागु॥दिवि॥कहै
साधुलीजीप्रजाकेवलदेसणनो॥ण॥दिवडप्र
मिसदेवउत्तमवागुंश्रवणन्होंजन्हुसिरण
णश्रमृतपीतासर्व
॥ ॥दिवि इतीत्रतीयवस्त्रप्रजा॥त्रर
मेरी॥सोरठ॥तंहीरेदेवावावनी

लेयनहूजा॥ दूहा॥ लसतनजुगलकज विमल
आ रीधे जिनअंग। लालग्रांनदर्शनलहेहूजा
नतीथुअंग॥ रागगोडी॥ कमलकोमलवन
चंद्नलहरित सकुंधेअधिवासीआए। हे
आवे। कनकआंगिलहेव्यलालपलवसुचि। वस
नडुरिकिरतअतिवासीआए॥ हेआवे॥ जिनप
ज्ञननकोसुविधसकोजधा। करियपहिरा
वलीलोहूयेहे। हेआ पापलूहणअंगलूहणोदे
वने वस्त्रजुगलजमलधीइयेए॥ आव॥ राग

वेरामी॥दिवडअपुनःपूजावन्योहे जगतगु
॥जगणि।दिवडअहरन
देहिसवहीहितहिहिमुगतिदःत
।२प्रभुजीकिचरणलागु।
।जीपूजाकिवलदेसलनो।
देवउत्तमवागुंग्प्रवणग्नोजद्युदि
२॥दिवि इतीत्रतीयवस्त्रपूजा।१२
।सोरठ॥८

नथसीकमकुंमा। कूरण दिध विरचैवास्
हे।हरिदेवा।कस्तूरचूरणचंदन मृगमदा कं
कोलतणो अधिवासकहे। हरिदेवा।वासदि
सो दिसवासतां।१जे जिनअंगर
रचै जिण।। हरिदेवा।लाअज
अनुमानिकसरमञ्ञअंगुहे।
डह।। भुजचउथीइणपरे।
वास।कुसुमदिइरतीडरेहरे।
भु।।१।।रागमिहि।।मेरेजि

ाटमेलिक॥९०॥
ए।अंपदत्नेलैकि॥ए॥९०॥मन्नर
जा।
चरणसीवाकि॥६॥कुंकमचंदन
चत्रथींधनकि॥न्न॥९॥
॥मनविकसेतन.
सुप्रजोएपेचमी॥पंच
॥रागकामोद॥

मालती स॥ हे अणि ऊं ह किरणमचकें दासे
वनेमा इत्र हिका॥ विजकसिरिअरवेंद॥ ८॥
जिनवर चरण अनुसरिए। मुक्त लत कुसुम
अनेक॥ मुणि॥ सि वरमणीसेवरवरे॥ विध
जिम कुमारि विवेक॥ रि॥ रागकोनमो॥
सोहेरी हेमाइ॥ मनमोहेरी हेमाई॥ वरणे अहो
वरणे॥ विबुध कुसुम जिनचरणे॥ अं॥
वि कस हसी मजंपेसाहिब कहे जेवेपा॥
जिनचुहुम अनुरणे॥ १॥ सोहे॥ पांचमीहला

ऊडुनखुकलतिकी॥टेक॥ पंचविरखेड
रंवहरले॥सो०॥२॥ कहैसाधुकीरतन्न
मतलगवंतकी।नविकेनरांस्बषकरसे।
सो०॥इतीवांचपीद्जा॥दूहा॥ ब्रीद
जाएवलीभा हसकरनीवुफमालगुणगुंथ
वापिमठै जैमटसैदूषजाल॥५॥रागराम
गीरी॥नागकुंजासमेदारनवमालिका॥
मल्लिकासोनपारधिकलिए।मनिमरूकद
:गकवकुलतिलकवासंतीका।नालपु

[illegible] नीलीर ॥१॥ नाव मण। जासुमण
मी नरी देत सो मालती। पंच वरण थी माल
ए। मा [illegible] ठे वणी लहलहे। जा
[illegible] मालती ए॥ नाव मण। रा गुआ
सावरी॥ [illegible] केवे जिन अधिक एध
ति [illegible] कीर जोहारे आइयो चकोर कुं। दे
[illegible] दे॥ देव। पांच विध वरण च्ची
[illegible] की। जेसी रचणा रे आइयो जेण। व
[illegible] दे। देव॥२॥ छवी तो मरमजा ल

नमस्कृजे स्सर्वकारियणाहंणी॥ओ॥नि
मवंदे॥३॥देविक हैरेण॥पुन्नीनलयवालनश्वा
प्रासुभान्नविकलणनिहंरी,जी॥नि॥नि॥नि॰
दि॥४॥देवि॥इसीजनीपुणा॥न॥न॥
नृह॥कितक्कचंपनऽनिनानियोविनेपाम्
मालाचाविलिमचाक्रमफुडी॥यानथ॥हेतु
यश्राव॥५॥रागवीनजेणिनीणि॥ओंह्रां
चरश्रिवविधपंचनरणनह्रींचपुसंडेन॥
श्रीक्रीं॥ऊंनपुमानंचपश्चपर्क

जारा।सो ९॥१॥सा।लंगीसूजंभेअंगीयेअं
आलंकीयेर॥हांहांआ।अंगआलंकमि
अंगागिलीमुगलआलंभीयेए॥रागअेर
व॥पंचवरणीअंगीरचीऊअमजाति
॥पंगे॥ऊंदमचऊंदमुलालसिरीमल
कर कर सणीसोवनजाती॥पंगे॥दमणक
मरुवा कणकणअरविंदी।अंयजूहीवेउल
वाली॥पारजीवरणकलारमंदरी।उणप
[illegible]वनीजांति॥पंगे।सुरनरकिनर

रमणिमातिम्निखीआगलिसुतलिलतलि॥४॥
इतीसातमीएजा॥रागसोरठसांमेरी॥अ
दकीरणकाक्षिजफलीजीदेवा॥पावनछअञ्जन
कारीजी सुरक्षिक्षिमरमृगनाभिजाजी॥दि
चुनरीहलअधिकारीजी॥५॥वस्तसुगंध
जकमोरीयोजीदेवा॥अञ्जनकरम्हरीजे॥
जी॥आंगणसुरतकमोरीयोजीदेवा॥नन्दअ
मतीजनवीजेजी॥आवाआंगणौ॥देवात
वसुनतीजनरीजैजी॥५॥ढाल॥अयरम्रे

त्तारसभाथस... ...आठमीभंधवटीघन
रत्नावेजिनतनुजावसुं। रागसामेरीसो रठा।
१जो... ...ाईजिनवर डेसे वोरी फाइजीनवरअे
सुगंधे। होरेहांहां जिनवरअंगसुगंधे। १वा।भं
धवटीघनआरउदारो। गात्रतिर्थ
१ठा। आठमीपूजाअगरसेल्हा
नतनुरंगी। धारकठर
मतजाभी। ४२। पूठा।
पं... ...जपूजा।

सा हूंवंगितम्बुला। पीरी [illegible] क्लिख परधि
हनवमीध्वज॥ वंदवस्त्का॥ तत्सतोयणनहि
ममयिदेकं। सुरतपताका पंचेवरणा हु सुमेर
गुणधरीयवढ़ो। उड्डसमीरनहकेमयंग्राजां
कमतिदलसयलभूजै। रागगोमी॥ सुरपति
जिमविरचे ध्वजाए विधि। नवमीध्वजासुरंग। ति
णपरम्मादकध्वजमहन। ऋषिदेवन्नसंग॥
रागनहनारयणा॥ छजमोहनारे कूड मोहनौ
माहा राजकी ध्वधि। मोहनोरे ध्वधि॥ महधि॥ मोह

त्वारससाथस [illegible] आगामी पं धन्नटी घनस
रत्नावेकिनसत्तु मावज्ञे ॥ रा॥सामेरीस्त्री रव ॥
९जोई [illegible] जिनवर ठेसे वीरीमाइजीनवर अं
सुगंधे। [illegible] जिनवर अंगसुगंधे ॥ स्रवि ॥ गं
धवटी [illegible] गोत्रतिर्थंकरवांधे ॥ ए
स्रु.०४। [illegible] आगरसेल्हारम। त्याःवीजि
नलहुसेमे। [illegible] नाव धनवर्षित सामेरी।
नलजोमै ॥२॥ स्रवि ॥ इतीआठमीपूजा ॥ अ
थनवमपूजा ॥ ऊहा ॥ मोहनवधजवरिमस्तके

स हूंवगितम्मुल। नीरै [illegible] छ्रिला परमि
ह्नवमीध्वज।। बंदवस्का।। सहसनीयल नहि
मम यिदंकें। सुतपताका। पंचैवरला। सु [illegible] सुमंत
पुष्परीयवडें। मह्नदमीरसहकेमयंधर। जांण
कम तिदलमयलजुडी।। रागगोमी।। सुरपति
जिमविरचे ध्वजाए विधि। नवमीध्वजासुरंग। ति
णपनश्राहकधजमहन। आपैंदोनुमनंग।।
रागनहनारयण।। ध्वजमोहनारे ध्वजमोहनो
माहराजकीध्वजे। मोहनोरेध्वजे।। महणि।। मोह

नखसुत [illegible] सोहै। करिवंदस्तव
त्रिभुदिक्षणा। प्रभुवदनसु सिरसोहतो॥ ९॥ मणि
जो तिलक [illegible] वरण वण्पोरी। विधकरैधुज
कोसोहतो। [illegible] नवमीपूजाहै॥ सा०॥
[illegible] सोहयो। शिवमंदिरकंत्रधि
रोहणो। जिनसोहोंनहनारायणो॥ २॥ पा०
रतीनवमीपूजा॥ छंद॥ सिरसोहे जिनवर
तणो [illegible] टफरकरतो। तिलकजालस्त्रंग
[illegible] जगतारनवरिवंत॥ १॥ दश्रम

प्रजाम्रजान्चकीर [illegible] क्ट[illegible]
पतिजिमऔगेसै। तिम्जाणकतु विवेक॥
रागमधरासा। पांचपीरीज निस्नमर्ल
या। हेएमीतीमां लकुनालखणीया। होए।
ओहेरीमन शीहेरी। धुनीचूनीसलकारवीसगी
जातिरूपहेहेरेजाणि। ज्ञानमोक्षजना॥११
सिरसीणि।
कोलवहंसस्तुगलतीजम्बोंवरा[illegible]
वासंरे। नालतिलनतोहेने गण।

पादसमी[illegible] [illegible] [illegible]कल्ह ॥
॥ सागके पाने अरु सिरसो है॥ जिणदमिर
सोहै॥ [illegible] रयणजस्यो [illegible] अंगदवो
[illegible] ॥ यज्ञनिकोकोनघन्यो
॥ जिणि ॥ ५॥ [illegible] ज्ञानसाशितस्कलमंगल
जीवि [illegible] संकस्यो ॥ डर्कै दरव
[illegible] सिरतवरधस्यो ॥ अव
[illegible]स्यो ॥ ९॥ जिणि ॥ इतीदयमी
[illegible] ॥ इत ॥ कुलघरोअतीयो

नतो। [illegible]
हा। इग्यारमीहृजन्मसुला॥१॥ [illegible]
कोजन्मंकीलराइवेलिनवारालिका। [illegible]
चकेंद्दवरविचकेदएन्मासविंतिलदक [illegible]
णकदलेमीगरापरमवांकीमल
मलूए॥५॥प्रभुमुषक्रमभैरवे
रवे।क्रमुमीहेविचलोरएरएगुक्षचेइद
फूबकउनयांजाविक्राडोद्यविहवीर [illegible]
॥न्मवचोवि॥रागरांमगिरी॥भेरोमन

पादसर्गि [illegible] वारूरे।
॥रामके दारे ऊनु म्रिरसो हेरे। जिणंदम्रिर
सो है। हुगरमणिःस्यपेजम्यो।मुणि।अंगदजे
ऊ:लिसकुमारखत।यऊनिकोकोनघम्ये
।जिणि।११। [illegible] ऊंहलराशितऊलमंहल
जीवि [illegible] लंकस्यो। ऊठकेदरव
[illegible] रथस्यो।अंद
[illegible] स्यो।।२।जिणि।इतीदयमी
आ [illegible] ।।ऊ्र।।फुलघरोअलीयो

नतो।कुं [illegible] ... दउ
सा।इश्पारमसिरजन्मनुला॥१॥रागरांमगीरि
कोजनांकीलराइवै लिनवना लिका।उं
चक्रंदवरविचकेदूएनमॅ विंतिलकें
एकदलंमीगरापरमवांकीमल
मलूए॥१॥प्रनुमुमक्तमभेरचै.
रचै।कमुमोहे विचतौरएएएउच्चंदे
॥मपंचीथि॥रागरांमगिरी॥

[illegible] रसी [illegible] कनाहे [illegible] किंकिणी । अरु
सिलसिलत संभवधारी मनोहर । देषतदृ
ग सि सुहरस भिजे ॥ १ ॥ कूष । मेघ । उमुम
डघ मंडल मृदु झुंझु दयो । कोर छूचारु विनो
द सोहे । इत्य हमीहू जावणी हेरे मगीरा । वि
छु छिलिमाति जैसे निछुरन जै ॥ कूष । मेघ । इनी
हू प्यारमीहू जा ॥ २ ॥ अथ बारमी पुष्कव
र्णन हू जा ॥ मेघ वरसे नरी कुष्ण बादल
[illegible] री । जाडु परमाय करी कुसुमपगरे । यं

चवरणिवदे॰ दिन चंमेतु ऊरवं।एपीनञ्
धरवंतेनहीपीळपमुरं
कैमीलेजमरजमरीत्रिले।सुरसंरसंरगति
णहूळनिवार
वरे।बारमीहजतिणपरजंगोरी
हु॥ वरसेबारमीहजाने
याफुला।हरणतापत
बजमल॥रागनिममल्हार॥ ३
लीयावरजे

वरसेगंधदकमनोहरअनुसमांन॥१॥तु
ठ॥गमनआगमनकीयारनहीहेतसुयज
जिनकोअतिशयाचरणसेगुंजतमधुक
रमनमननतो।मधुरवचनजिनगुणथुणौके
कनकुसुमसेवाजोकरे।सुधारनहीसुमि
के॥२॥तुठ॥समवसरणपंचवरणअधो
मुखा।विकुधरचेसुमनासुभो।वनगीसजा
विकविकसेरे।जलथलविकसहसउंचोरा।
[illegible]राजवेजेकरेजेजिन

मि॥३॥पूर्ण॥इतीबारमीपूजा॥१२॥अ
थतेरमीअनंतपूजा॥रागवसंत॥अ
चलविमलनित्यानंदअनंतगुणनित्यानंदलर
जुततणावेडवाए।ऐषणसमानकेदिथि
पैचवरणके।चंदकीरणजैसाऊजलाए॥
भूप॥१॥मैलमंगलसोसयलमंगलअवे

॥ति

॥अथ१॥फूल॥तेरमे

धूपणाच्चवदमीकार घासार॥१॥रागवेल
उल॥कस्तागरकस्तूर।सीगंधचोदेस्त्राजं
दकक्कसेलारस्यमारोंगंधवटीघनमार॥२॥
नूटक॥गंधवटीघनसारसंदनम्रगमदारस
सिलीसे।श्रीवासधूपदशांगअंबरसुरभिव
डाहाम्हेलीयै।वसलियरंमंकनकधूंदधूप
धंणोकरिधरै।नवलतिधूपकरंतजी।परोम्रै
गन्त्रस्तहरे॥२॥रागमालवीगोसी॥सव
कारसीमयनमुदारधूपं।कस्तूरगंधरस्याल्र

मस्तिवि [illegible] म।संजुगवर्तलानवाद्दे [illegible]
जाभालयेर्युक्तं॥१॥ स्वलरूवरूदं [illegible]
नेजयतादितालकरयो।म्ब्रं।चुरसारीवारे।
गीलंगीतेंछवीस्मृतुं॥२॥ रामश्रीराग॥१॥
जिनुगुणगानेमुलअमृतं।तारमंदादिअना
हततानें।कीअलजिमतिमफलअमृतं॥१॥जि
विनुधऊमारउमारीआलादें।तुरजठपंगन
दजनरं।पाठधबंधध्रुआऊतिमानें।आयत्ती
छंदक्षरितिसुमतं॥२॥जिनु॥

स्वोत्रि भुवनकों सुरनरगावे जिनवरिंदास
सस्वरमानसेवोश्री वां। पनरमीपूजहरेधरत
। जिवि ॥ इती पनरमीपूजा॥ दुहा॥ करजो
डिनाडिकडैरा कि सुंदर शृणगारजवन
दिकरो नविमे। सोलमी पूजासार॥१॥क
य॥ ढाल किणवणसुचारुचरणसंपुन॥
सं पणगणमामे मासमरूपविसवयसोमथ
नकों नहुणमावनासुगुण विकस्सरवइरा
वा॥ स्नमनकुणकमरीकेसरी तिमे नपुरज

चेतिभ्रंगारणं॥१॥गाथा॥लएणंभ्रंधभ्रंये

[illegible]

त्वंती॥१॥राग त्रिगुणनाटक॥नाचंतीकुमा
रकुमरी तागुदिनसाथेइरेभ्रइयो॥ताथि
नाथि॥डाडिदिरकीघुंगिनझुरवितलाथेइरे
भ्र॥ घुथि।नाथि।वेणुवीणानुर
तुंडीभ्रंगारसाजे तंननननानेइरेभ्रथि।
णंछूणणघुघरीघमकी।रणणणणा॥हि॥

...॥ना० ॥१॥ कस्यंतीकंचूकीतरणी
...कुरीकंकारकारणी॥ खोजंतीकमरइरेअधि
...स्तकोहावाडीनावै॥ दंदेतीजमरेरेअबी॥
...॥ना० ॥ सोलमीलाटिकतणीसुरियाने
...वलकीनीसुगंधतत्साथेइरे॥ अ०॥ ए
...ठेनविलालीणो॥ आनंदलताथेइरे
अ०॥ ६॥ इती सोलमीरजा॥ इहा॥ तनि
...ददेरे आनिधी॥ वाजित्रचोविधवांयालय
...तंतकी॥ ... ...मीमेनाय॥ १॥

॥रागमल्कमाल॥गाथा॥सुरमद्दलकोसा
लोमज्जयरिमद्दलसा विजयवणदो।सरनारी
नंदसूरी।पनणेरूणंद जिणनाह॥१॥रागम
ल्कमाध॥छुनंदीआनंदबोलतनंदी छनंद
रछनंदीआपि। चरणकमलजसुजनत्रयव
दी।ग्यान निर्मलवाचलसुबधदीतबदीनो
लीरंगहाअतिहीआनंदी॥१॥छपी॥गेरिय
गणवाजंतीकमतितजंतीसीसा[illegible]गावंती
जीनस[illegible]गीरदंती।जत्यनं[illegible]पर

...विक्रमधुआरत्मान
...ीकहेसाधुसतरभी।
...ेमकरधनिकरहती।
...
...प्रतापीप्रभुजीकोनिजतर
...मकेअवगुणनमक।
...मुत्ताजे।... आनिही
...नवनिधसिधआवाजे सुत
...नावकी... ीहीन।

काउी [illegible]
रमवचन [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

...मीजाकेल्न
...त्राद्दनी।जागैजम
...त्री।मुजम तिन्भापे
...सुरे।भ्रहमदवा
...मनो।सुबनीहरैनास
...पुडी।झनमडरतमंभ
...जी।धूइवृतिहाजाल॥३
...नामजनीकमाला।वाम
...कलकंरगमणिमोलक्ष

दैगीमीनोधणीजाचोरे।।४।।गुणि।।श्रणहल
पुरपाटणसिप्रतिमा।श्ररवातणे घरझंतीरे।
श्रम्रनीचनैश्रम्रनीपीमा।श्रम्रनीवालवि
गुतीरे।।गुणि।।५।।जागतीजहुजेहनेकहीयै
सुणीवदकनेत्र्यायेरे।पासजिणेसरकेरी
प्रतिमा।सेवकउकस्ताएपेरे।।गुप्र६।।इह
उवीनेपरगटकरजे।निधाणीवनिदेमेरे।म्
धिकोमलेजेउव्योमदिजे।उकापोचसेदे
जेरे।।गुणि।।७।।नहीत्राधिक्रसीमा।

नै॥ सि रसोश्वरे॥ ...रि॥ ... रने श्वनह थील
डीमुल घुरता ...रे॥ गु०॥ ८॥ मारनफ हिलो
उरुमेलि ... से॥ सारण्वा हो गोरी रे॥ निल वरुरी
लीचोला चेणा॥ कक्ष व हेतसु पोरीरे॥ गु०
०॥ ९॥ डला॥ मनसु विह्नोउतर केमो॥ भांजे
चलपमाण वीवीने फहणावणो॥ संरसावे
रुहिनाण॥ १०॥ वीवी बोलेउरकरु॥ कन
सुर उ दोस॥ अवस्रतावपरगटकरोनहीं
तरमारेसो हि॥ ११॥ पाल ... पीतेलां वे

थहिलीबांधेपाजा।त्रहणमांडेहिनीअंतसा।
तेजहराजा॥१४॥ढाल॥एनकहीनहेआये
रती।आरथवाहनैसहणेजी।पाअतणीवत
मातुलेजे तेतीमिरमतधुलेरे॥१२॥एणि॥पां
चअेटकाजेहनैआपे।अधिकोआपीअवाअ
रे।जतनकरीपुहचामिथांनक।अतिमाग
णअेचासेरे॥एणि॥१३॥तकनैहेअेवकफल
दायका।आइगीगीसणजेरे।पुजीसघल-जीदे
हनैपाया।पहडवीनेछुणजेजी॥एणि॥सफ

...दिइने सकरचालै। आ... ध्यांन कहु
होरे। पाटणमांहि सारथवाहो। हीमैत्तरक
रिजोलोरे ॥१६॥ ए०॥ त्तरकैदीवीजातीगो
वी। चोआसीलक निलामोरे। मंकेतपीहतो
स्नेही कोणी। लीलावैचकलामोरे ॥१७॥ ए
सुकथ रिपुलमाउकनैआवुं। पासजिणेस
रवीरीहे। दोचसेटकामुकनैआयो। सुलन
...किशीरे ॥१८॥ ए०॥ नाणोदेइनेपलमालि
...ध्यांनकनेलोरंगेरे केसरचंदनमृगमदजे

॥ओगोरे॥२४॥ए०॥

॥ए०॥तत्रवदि—
तस्नेदअनातोरे।नेमवंमनादरअणकर
वा।आवैनोकहजारीरे॥२१॥ए०॥दूहा
इकदिनदेषेअविधसु।पार
लनकस्वंप्रतिमातणी।तीरथअ्लै॥नग
॥२२॥सहणमांहेसीवनें।थलआटवीउजा

मा॰ हिमाद्या॰ रि॰ स्मतिहृण॰॥ दृ॰ रिगातिहिंयकों
काहि ॥२२॥ कोस्मलगें मतिहोस्मवो उकमें
मुकलिजांग॥ स्यंकाबोमीकांमकर॥ करलोस
करिम्कांत॥२३॥ ताल२॥ पासमनोरथ
हरपकीरे॥ तोहृलरकवषनजोतरै॥ पारक
रस्वांविसांणोंवारे॥ हकथ्यनचढवीजैरतरै
॥२४॥ वारवोस्मआआवेटते॥ श्रींदीमान
हिवाहेतेतले॥ गोवीमनहविमा स्रपथड
नवस्तु वाम्पंमातुस्पर्ही॥२५॥ याजा=वी

किमकरसंपरखोण। झटकोदोरनहीदीसे
पाहोण। देवलपास जिनेसरवणुं मंनहु कि
नारथविलूं।२७। जलविनआव्येघरह
ष्येकिहां। खिलावटो आं किम इहां। चिंता
रथयो निद्रा लहे। जद्दराज आवीनेकहे
।।२८ सुहलीऊपरनोफरइहां गिरथघणोज
लेजो तिहां। स्वस्तिकसोपारीनेगांमि। पाह
णतणीउलटस्येखोण।२९।। श्रीफलअज
लतिहोछेजूउ। अमृतजलनिअरव्येछे पो

[illegible] वाते [illegible] ॥ [illegible] पोकैली को
लः॥ रुपिसी लावटो सीरो हीवको। कीउधरा
लोक समझे। तिहां थकी तेनी ओळखो
रुवचलमाहे रोजांनज्यो॥ २॥ गोरीमनथ
रस्तापीयो। भिलावटेने सुहणो दीयो री
[illegible] आस। पाम्ये तलोमांहे आव
स्यां॥ २२॥ रूपनामांहे मांनुं वैण। है मवर
दे [illegible] वैल। गोरीमन मनोरथ थया। भिल
वटै [illegible] तेडवा॥ २३॥ भिलावटो में वे

उजलौ जीभै रंग रस [illegible] मी। घडे फूट
करै कोरणी। लगन नसै दायां रोपणी। ७४।
थेत्तर कीधी पूतली। नाटक कौतक करती।
वली। रंग अंफ पर लिया मणोरथौ। जो तां मानव
नो मन मचौ। ७५। निपायौ सुरी प्रसाद। स्वामि
अमी वफिमं मैवाद। दीवस बे मारइ मीठम्यो
ततखिण देव लउ परचवो। ७६। मुख्य जल मैठ
न वेला भार। पमौ भ्रन बैवप्सीपस [illegible]
मोटी मैरू समांण। एक लमलवग मै हिरोन

२७॥ [illegible] नी। [illegible] हि सुध
आं वानी। [illegible] सीख [illegible] जा लकर
[illegible] ॥ २८॥ [illegible] विघन विडारण स
[illegible] स्वरूप [illegible] है
[illegible] निज रूप ॥ २९॥ [illegible]
[illegible] सवार मारग [illegible]
[illegible] हार ॥ ३०॥ [illegible]
[illegible] सेवक ने [illegible]
[illegible] सरणहार ॥ ३१॥ [illegible]

रत्नादिकोगावि [illegible] नेरोगापवि
त्रअइअमरिजोजाप॥जनियंगलापापचेशा
प॥४२॥निरधनियांनेदिघरमत्ता।क्याधिअ
पुत्तरीयांनेपुत्ता।क्यायरनैस्त्रशपणपशिपार
नवारेस्त्रकीपेरै॥४३॥कोनागीनेदेसोनाग
पमांविज्ञणानेत्या।दे।पावा।नांमनहिलेलेगें
नो [illegible] कासिनंम॥४४॥नि
[illegible]
क्यापनात्यं।गीक्यान्ननं।मा।धरिभ्यांनहोत [illegible]

२७॥ अनुसुरं [illegible] ती। लखनमांहि सुध
अंकली। गोवीद कामोद रीअ, सो जालकर
हैधर रूप देवे॥ २८॥ दुहा। विघन विदारण स
कल सा। जिहकी अकल सरूप॥ प्रीत कर है
कीआं भूमे। हे साई निज रूप॥ २९॥ नील पल
[illegible]। [illegible] असवार मारग हक
मां नवी। नाद करिआवत हार॥ ३०॥ गरुड गोरीप
[illegible] सेवक नै सा निधक
लो। आस्था पुरण हार॥ ३१॥ [illegible]॥ [illegible]

रसणलिजोग।वि... ...जलैरोग।पवि
त्रथइग्रमरिजोजाप।जलिअंगला।पापसेला
प।।४२।।निरधनियांनेदिघरस्मृत।आपेन्म
पुत्तरीयांनेपुत्त।कायरनैस्त्रपणधरैपार
उत्तारेलछीवरै।।४३।।दोन्नागीनैदेसोन्नाग
पगविजणनेन्नापेपाव।वांमनहितेहनेहो
वांम।मनवंछितथइवैन्नजिरांम।।४४।।जि
रक्षस्यांनेदैन्नाधार।नवन्नायरउतारेपार
न्नारतीयांरीन्नारतन्नेंग।धरेन्नपांनतेलहे

सुरंगा। ८५॥ अमृतस्वादएकद्धिजन्हराज लि
खीसीनीतो अमी दिया जाकुधही पनै बुधव
कालकुंभीजै दैवचनरसाला॥८६॥ डसीयै
जीहै कुधहारा। नयसेजनरंजणअवला
रा लोलन छूटै मीतणा। पार्श्वनाथ अर्द
र श्री ज्ञानगा॥८७॥ दूहा। पार्श्वनाथ अर्द
रजीरी। विख्यातर विकराल। हस्तियूथइरेव
लै छुधर सिंह सियाल॥८८॥ चोरतणा भय
हरजै। विमय अमृत अमकार। विषधरना

विमलत्तरी।श्येयानिजयकार। रोगसोगदालिद्र
डम।दोहगडरसुलाय। परतिष्वरश्रीपार्श्वनि
महिमामंत्रजयाय॥५०॥ मंत्रछे॥ ॐजिर्हु र
उंजनुपसमधरी ह्रीँ श्रीपार्श्वजिन्द्रजयं
सै।न्हूतनेसेतकोटिंगवितरस्करा।उपश्रमे
वारइकवीयगुणंते॥५२ॐ॥डष्टभैरोगश्री
गश्रीलेइराजेतरा।तावएकंतरादिकतापं
ते।गर्जबंधणंबणअर्पपन्नगविहुविमंचा।
लिकावालिमिवाकमंते॥५२।ॐ॥ सइणी

माइणी रो हिति संगणी । पोट का मोट काड षऊत
हजऊे हरस णी कोल नां णांतणी ॥ स्वांन श्रीह
लाविकस रामु हंते । ॐ ही पुरुषर लेंड् पद्मावती अ
न हस्मो हावसी । वाटनै घाट अट वी अटं ते
हव्युमी स्युं हो मिठै सुजस वेलावसे । सयल अ
स्वाप कोमन हस्वंते । ॐ ६ ॥ अहमाहानयह
रेवांन पिम्हा टलै । उसरैसी लसिसग नणंरै
हरहहरु षीत अंसुं पीत विमल वत्तुं पाश्री जि
न नांम अ सिरां ममंते । ॐ ६५ ॥ इती श्रं हर

॥अथश्रीमाहावीरजीरोपारणोलीख्यते॥१
दुहा॥श्रीअरिहंतअनंतगुण॥अतिसयप्रख्य
ात॥मुनिजेणांनीसंजमी॥तसकहीयेपात्र
॥१॥पात्रतणीअनुमोदना॥करणीजीरणसेठ
भावकतंवीगतलहै॥नवग्रीवेकैहेव॥२॥दस
चौमासावीरजी॥विचरतसंजमवास॥वेसा
लीपुरआवीया॥इग्यारमीचौमास॥३॥ढाल
चौमासीइग्यारमीजी॥विचरतोसंजमधीरवे
सालापुरआवीयाजी॥स्वांमीश्र॥...॥व;

॥जगतगुरु त्रिसलानंदनजी॥१॥ जंबूसेवे
वा जिनराय। श्रीसीमंधरस्वामी कहुराजा
ते रोहाणीना पसाय॥जग॥२॥ बलदेव
नेकेशिसिव्यजी। तीहां प्रभुकाउसग कीध। पञ्च
खाणथी प्रत्यक्ष जी आमील तपकीध॥जग॥३
जिरणसेठव सेतिहांजी। पाले श्रावकधर्म। आ
ठावेतिमन लगावजी। जांणे श्रीजिनधर्म॥जग
॥४॥ आजनम्र तेउपवासीयाजी। जीनवरश्री
रहमालजा। कासराप्रभुजि मनमेजी। आहिय

तदिस्युंदांन॥जय॥५॥अदसेवइमचिंतविज
हीसीसफलमुझआ॥सा॥पक्षमासगिणतोथ
कोजी॥सरीथइयचउमास॥जय॥६॥सोम
थीआहारनीजी॥जीरणकरतोवादा॥प्रभुने
मारगदेषतांजी॥तीवोघनरनैबार॥जय॥७॥
घरआमैलैपांऊणाजी॥तेसाएकजवार॥
प्रभुजीक्युंनहीआवसीजी॥तेसावारोवार
जय॥८॥पडैकरस्युंपारणोजी॥जोप्रभुनैप
मिलाजाकीवैमनोरथमाहराजी॥टेतिण्वर

[illegible]।[illegible]।[illegible]आगिदरीजी।
[illegible]विकारमुत्त। [illegible]कातुर[illegible]सीयाजी
[illegible]लघरैदकुंडस।।जी।।१०।। मिथ्यामतीजो।
[illegible]नहीजी। जिम[illegible]सिरघ[illegible]चैनीव्रतेइमकं
हिजी।। कोइ[illegible]देह।।जी।।११।। चाटुनर
[illegible]जी। प्रभुने[illegible]णीदीध। नीरागीदे
[illegible]साजी। [illegible]प्रभुपारणोकीध।।जी।।१२।।
देववजावे [illegible]जी। जयबोलेकरजोडि। हे
[illegible]जी [illegible] क्रोड।।जी।।१

राजादिकसज्जइए कहेजी।धनधनधुरस्थले
वांचीकरणीतेकरीजी।। अवरनकउ
जहेव।।जण।।१४।। कहोसेवतमेमुंदीयो
जी।कीयोपारणोवीर।लोकांप्रतेक्रमकहे
जी।मेवहिराइवीर।।जण।।१५।।जीरणसेठ
सुणेतिहांजी। वाजतडंडनिनाद। आंसकी
योप्रभुपारणोजी।मनमोथयोविषवाद।।
जण।।१६।।जेजगमेअनागीयाजी।सोरैन
आयामोम।

...नंदनकमा ॥ ज० २७ ॥ जेसा पूवोरथमेकीय
जी। जेसा रत्नामनमांहि। जिरधनर जिम रु
खिवेजी। तीमर जिरफलथाय ॥ ज० ॥
...समनोरथ...
मांही निरधननी मरु खितीजी ...
... ॥ ज० ॥ २८ ॥ स्वामीकीयो तिहां
...जी। कीणो उपविहारआयापु।
...जी। तिहांमुनी केवलधर
॥ ज० ॥ २९ ॥ ...कुरलोराजीयोजी। ...

कम्मऊत्रागेहा।रायपछुछै इमोजी।छुउ
ऋचरणपायवंदा।।जपि२०मेरेनगरमेकोण
छैजी। जीवप्रत्यजन्मवंत।कहेकेवलीश्राप
छैजी।।जीरणश्चेवमहंत।।२१।जपि।। रायकहे
।किणकारणेजी।।जीरणश्चेवमहंत। छेनदी
योजिणवीरनेजी।।छरणश्चेवमहंत।२२।जपि
रायपूछेकहेकेवलीजी।।छरणदीनोछेन।।
हेमवृक्षिफलतेहनेजी।।अवरनकोइछमां ण
२३।जपि।।देवलोकतिणआरमेजी।।जीरण

...दो...दिलीर...तो तसम
कलसंबंध॥ज०२४॥घडीएकसुरडंअ
जाजेनसुणेसोकांन। लहतोजीरणतोस
होजीतहमकेवलठोम॥ज०२५॥रायजी
रणनेदीयोजी।अधिकमांनसनमांन।सो
...गारमेथापीयोजी।जीवेफुलसमांण
ज०२६॥ दीयोदांनसुपात्रनेजी।तेनिरफ
लनवि होय।पात्रतणीअनुमोदनाजी।ज
सजीमफलहोय॥२७ज०॥इमजांणीअनु

मोदनाजी॥दं नस्तुयात्रसात्ता॥वंस्टीमैलेमा
त्रनैजी॥तेहनैनमेमुनिमाल॥जप२७॥इली
श्रीमाहावीरजीरोपारणोसंपूर्ण॥१॥अथस्त
वनलिख्यते॥रागकेरवो॥चालोरीसखीसु
दरसणकेरियां॥चाणि समवसरणजिनजि
केआगे॥फुलीफुलवाद्धकफुलीपुलमैं
यां॥चाणिनटरेनानटणीतुणमादेि॥सकार
वलननपगधरियां॥चाणि॥ उअंगरत्न
ववलावै॥तडकनतनदेसारीयां॥ना

भ्रमफलजनुधारसजनहीकी।जनमजरावासन्नयो
जगमारियं।च्यारि।इतीपदं।रागकेरवो
देखोरीजिनेंद्रस्वरूपस्यां।जिनंदभगवान॥दे०
कुफलजनमहमेरीआजुकीघडीयो।सफलभये
नैनांसुंरा।दे०।सोगअरुतापगयेअबमेरो
पायोमेनिरमलज्ञान।दे०।किसनगुलाब
कहैअबमेरेवे।अमरापुरकेराज।दे०इ
तीपदं।रागकेरवो।।नेमजिणंदपरवारी
यांहेमेतोनेमजिणंद० समुद्रवीजेजीरोलाडलो

अरें।शिवादेविमाय स्करतलागेस्कराम .
ने।दीगंभावांदाय।नेणि।शिरस्मो नेकोलत्र
विराजे।गलमोतीयनकोहार।बांयोवि-
रखायोहे।केन्नरमेगरज्जाव।नेणि।।तोरणमे
रथफेरीयोअरे।गिरनारेंजाय।राजु ।
ल्पिधरीयो।मनेमेजनदेसुंसाथ।नेणि।चं
चकोरसुंदरस्रवजाप्य।कनसौभिमकुंभा
चंदसुलावकहेकरमोगी।बरसाजयरका
र।।नेणि।।इती नेमनाथजीनास्तवनं।

॥श्रीजिनायनमः॥ अथ देवसी प्रतिक्रम
ण विधि॥ नमो अरिहंताणं॥ नमो सिद्धाणं
नमो आयरीयाणं॥ नमो उवझायाणं॥ नमो
लोए सव्वसाहूणं॥ एसो पंच नमुक्कारो॥ स
व्वपावप्पणासणो॥ मंगलाणं च सव्वेसिं
पढमं हवइ मंगलं॥१॥ इच्छामि खमासम
णो॥ वंदिउं॥ जावणिज्जाए॥ निसिहिआए मत्थ
एण वंदामी॥२॥ इच्छाकारेण भगवन् पसाउ
करि॥ इच्छाकारेण भगवन् सुहराइ सुह देवसि

सुखतपशरीरनिराबाध। सुखसंजमजात्रा नि
र्वहोछोजी। स्वामिशाता। भातपांणीनोलाभ
देज्योजी॥ वर्त्तमानजोग्यं॥ अथसामायक
लेवानीविह॥ प्रथमजायगा पुंजीजे। पछेबे
सणी विछाइजे। पछेबेसीनवकार२गुणीजे
पछेखमासण२दीइजे॥ इच्छाकारेणसंदेस
ह भगवन् इरियावहियंपडिक्कमामी॥ इच्छं
इच्छामिपडिक्कमिउं। इरियावहियाए। विराहणा
ए।गमणागमणे। पाणक्कमणे। बीयक्कमणे। हरी

यकमणे। तस्साउत्तंग। पणहगमत्तीमकोडा
मंतागणासं कमणं। जेमेजिवत्तीराहीया। एगि
दिया वेदिया। तेंद्रिया। चउरेंदीया। पंचेदिय
अभीया वत्तीया। लेसीया। संघाहिया संथव
हीया। परावीया। कीलामीया। उद्दवीया। ठा
णाउठाणसंकामीया। जीवीयाउवविरोविया
तस्समिछामीदुकडं॥१॥ तस्सउत्तरी करणे
णं। पायछित्तकरणेणं। विसोहीकरणेणं।
विसल्लीकरणेणं; पावाणंकम्माणं। णिग्घा

ए।ठि।ठाए वामीकाउस्सग्गं।।अन्नत्थऊससी
एणं।।निस्ससीएणं।खाससीएणं।छिएणं।जं
भाइएणं।उड्डुएणं।वायनिस्सग्गेणं।भमलिए
पित्तमुछाए।सुहुमेहिं अंगसंचालेहिं।सुहु
मेहिं खेलसंचालेहिं।सुहुमेहिं दिट्ठिसंचाले
हिं।एवमाइएहिं आगारेहिं।अभग्गो अविरा
हियो।हुज्ज मे काउस्सग्गो।जाव अरिहंताणं
भगवंताणं।नमुक्कारेणं।नपारेमि।ताव का
यं।।ठाणेणं।।मोणेणं।झाणेणं।अप्पाणं

वोसरामी।। च्यारनवकारनोकाउसग्ग। लो
गस्सउज्जोअगरे। धम्मतित्थयरेजीणे। अ
रिहंतेकित्तइस्सं। चउविसंपीकेवली।।१।। उ
सभमजिअंचवंदे। संभवमभिनंदनंचसु
मइंच पउमप्पहंसुपासं। जिणचंदप्पहंवंदे
।।२।। सुविहिंचपुप्फदंतं। सियलसिज्जंस
वासुपुज्जंच। विमलमणंतंचजिणं। धम्मं
संतिंचवंदामि।।३।। कुंथुंअरिंचमल्लिं।
वंदेमुणिसुव्वयं। नमिजिणंचवंदामी। रिठ

नेमिं।पासंतहवद्धमाणंच।।४।।एवमएअभि
थुआ।विहुअरयमला।पहिणजरमरणा।
चउवीसंपीजिणवरा।तित्थयरामेपसी
।।५।।कित्तिअवंदिअमहिआ।जेअलोग
उत्तमासिद्धा।आरोग्गबोहिलाभं।समा:
वरमुत्तिमंदितु।।६।।चंदेसुनिम्मलयरा।आ
इच्चेसुअहियंपायासयरा।सागरवरगंभी
रा।सिद्धासिद्धंममदिसंतु।।७।।इच्छामीख
मासमणोकही इछाकारेणंसंदेसह

वनसामायकलेवामुहपतीपडीलेहा॥
मुहपतिपडिलेहीनेपछै॥इछामिखमास
मणोवंदीइछाकारेणसंदिसहभगवन॥
सामायकसंदिसाउं॥इछामीगुरु॥इछाकारि
सामायकठाउं॥पछैएकहाथधरतीराखीजे
एकहाथमेंमुहपतीमुहमेराखीजे॥नवकार
३गुणीजे॥इछामीखमा० इछाकारेणभगवन्पं
सायकरी॥सामायकदंडकउचरावोजीपछै॥
करेमीभंतेसामाइयं॥सव्वंसावज्जोगंपचक्ख

मी जावनियमपजवासोमी। डविहंतिविहे
णं। मणेणं वायाए काएणं न करेमी। नकार
वेमी। तस्स भंते पडिकमामी। नंदामी गरहा
मी अप्पाणं वोसरामी॥ पछे॥ इछामी खमा
इछाकारेण संदेसह। वैसणो संदिसाउं। इ
छामि खमा। इछाकारेण संदेसह जणावे ठाएं
मउं॥ इछामि खमा। इछाकारेण संदि। सझा
य संदेसाउं॥ इछा मिखमा। इछाकारेण भंदे
सह जणे॥ सझाय करुं। पछे तीन नवकार

ल्लिजे सुहव्वदि [illegible] वेहीजे ॥ पढो ॥ इछामिखम

समणोवंदेउं जावणिज्जाए । निसिहिआए

अणुजाणह । मेमिउग्गहं । निसिही । अहोकायं

कायसंफासं । खमणिज्जो भेकिलामो । अ

प्पकिलंताणं । बहुसुभेणभे । दिवसोवइ

क्कंतो । जत्ताभे । जवणी । जंचभे । खामेमिख

मासमणो । देवसीयंवइक्कमं । आवसिआ

ए । पडिक्कमामी ॥ खमासमणाणं । देवसी

याए । आसायणाए । तित्तिसन्नयराए ।

जेकिंचिलिखिएमञ्छद्द...नचउ
लकायउकजएकीहलमाणसमा
...।एर.व्रमिक्षीवन्नर
सो
...रहामी॥अप्पाणवीअरामी
एदेयवारखामणादीजे पक्षे इह्लामी
॥इक्षकारनगवरपचरवो
...जी,

हेयपीस्साहारेणं अससेणाणं ठाइमं साइमं । अन्नत्थणाभोगेणं सहस्सागारेणं महत्तरा गारेणं सव्वसमाहिवत्तीयागारेणं वोसरा मि । इती समायक लेवानी विधकही ॥ अथ ये देवसी पडिकमणानी वीधी ॥ इ छामी खमा० इच्छाकारेण संदेसह भगवन् चैत्यवंदन करूं । प्रथम संस्कृत आदिदेव विमलाचलमंडणा नाभरायकुलकेसरी मरूदेवानंदण ॥१॥ गिरनारगिरूंवांद

स्रोए।स्वांमी नेमकुमार।नालपोगे चारित्र
लियो।तारी सकलनार।।२।। तोंजणवाली
जिणंददेव।महिमा मेमंलो।गोमी हेमीलाइ
यै।सुजैमनखेतो।।३।। चक्रवर्त्तिपदवी त
जी।लीधी संजम मार।शांति जिणेश्वर श्री
जमो।नितरकरूं जूहार।।४।। पोचे तीरथ
जैनमे।अहुत तीनरनारि।कमल विजयक
विइम कहि।सरसघर जयरकार।।५।। जिंक
चिंनाम लिजे।।सगेपया लेमांण सिलीए

जाइंजिणबिंबाइं। ताइंसव्वाइंवंदामि
णमुत्थुणं। अरिहंताणं। भगवंताणं। आइग
राणं। तित्थयराणं। सयंसंबुद्धाणं। पुरिसुत्त
माणं। पुरिससीहाणं। पुरिसवरपुंडरीयाणं।
लोगुत्तमाणं। लोगनाहाणं। लोगहियाणं।
लोगपईवाणं। लोगपज्जोयगराणं। अभय
दयाणं। चक्खुदयाणं। मग्गदयाणं। सरणद
याणं। बोहिदयाणं। धम्मदयाणं। धम्मदेसि
याणं। धम्मनायगाणं। धम्मसारहीणं। ध

अरिहंतचेइआणंकरेमीकाउसगं।वंद
णवत्तियाए।पूअणवत्तीयाए।सकारव
त्तियाए।संमांणवत्तिआए।निरुवसगव
त्तिआए।सिद्धाएमहिआएधीएधारणाए
अणुपेहीआए।वदमांणीए।ठामीकाउस
गं।अन्नछुससीएणंकहीं।।१नवकार
नो काउसगकीजे पछेथुईकहवी।।न
मोअरहंतसिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधु
भ्य।आगेइरयावहीनिमंणुआहजिणेस

रन्आयाजी।सेत्रुंजैजात्रआणंदीतोषी।मोहि
हनापायाजी।जगन्नेअवजगतारिणतिः
दीठोडुरगलवाहिजी।जात्राकरीभैलीगुरुं
जीपासैकारजतेहनासारिजी।।५।।पनीते
गससंकहीजी।।सबलीएआरितंतचैत्यानेग
रेमीकोउसमोवनणवलीयापकालीकाल
चरप्यीएणेकदी।रत्नकारनीकातुण
कीजे।पछैवीजीपट्टकदीजे।।प्राथैतु
डीगिरिआंटापदनाजात्रसपुलध्याहिजी।।

सीहलेकांहीकुलामासलाररीकानुयगथ।
दिडेमूड्ढकहीको।।श्रीमिंदरजिनस्तुरस
तिश्रामगलमिंहुधरमहिमादश्योजी।।वंदी
अश्रागमनाधरगुश्ओ।धनएतीरथम
श्योजी।।वं।दिश्रागमगलधरगुश्ओ।।
धनएतीरयश्नाण्योजी।।सिंदश्रनेसाम
णगिरमाझाधनश्रागसदमगलीलेजी।।
केवलतीरथसेत्रसीतअुबाजे।।नइकोई
श्रेहुजलोलिजी।।२।।पवेलिबंगुण

पुं।पारगयाणंपरंपरगयाणं।लोगग्गमुवग-
णं नमोसयासव्वसिद्धाणं॥जोदेवाणं
विदेवो।जंदेवापंजलीनमंसंती।तंदेवदे
वमहियं।सिरसावंदेमहावीरं॥२॥इ
कोविनमुकारो।जिणवरवसहस्सवद्ध
माणस्स।संसारसागराउतारेइन
रवा॥३॥उजंतसेलसिहरे।दिख्यानां
निसहीआजस्सातंधम्म..........
ष्टीनेमीनमंसामी॥४॥चत्तारीअ

यदे ि [illegible] नरा व्ठ वी ॐ। पडूमद नि
ग्गा सिद्दा सिद्धं मम दिसंतु। ५। वेय व
न्ससा णे। ओति गराणं। सम दिवी समाही
ए रोणं। करेमी काउ ऋग्गं। अन्नत्स सिए
काहीं। नवकारनो काउस्सग्ग कीजे।
बैसूइ कहवी। गोमुखजक्ष जकेसरी
वीरीतुजेसा निधकारी जी। सकलमनो
यसंघ नापुरी। वंछित समकितधारी जी
बैमलाव जंतु जगजय वंतो। सगलीसग

त्वमारीती। दिज्यो दिवाउनपासुपिसा।न
रजसिहमारानी।।६।।नमोत्त्वणंनादी
जैसवेतिवेणवदमीतांद।।पंथेद्वार्स
सपनगवानाहं ते।सकामीरवपेसाचर्या
ल्लासिरवपेउपाधगानाहे।रक्षामीरनि
मस्तसाधुआंनैश्रीनाथानंदगा।जावाजीव
नेविठेसाधसाधवीआनंदजाविनाच
तुरविध संघनाअंबोनीसुप्रजानावाजी।।प्र
क्षमारगचालैतिलोकसणी।।९।।औरसार

रक्किकाल संदसा होज्यो। इछामी खमि। इ
च्छाकारेण संदिसह भगवन् देवसीपडि
क्कमणे ठाउं। इच्छं कहिगवेह। इच्छं सव्वस
विदेवसीय। दुचिंतिय। दुभासीय। दु
चिटीय। इच्छाकारेण संदेस्स। इच्छं तस्स
मिछामिदुक्कडं॥ पछे करेमी भंते सामाही
यं कहीजे॥ पछे॥ इच्छामी ठामी काउसग्ग
जोमे देवसीयो अइयारो कउ। काइउ। वा
इउ। मांणसीउ। उस्सतो। उमग्गो। अकप्पो

अकरणिज्जो। दुज्झाउ। दुव्विंचिंतो। अणायारो
अणिच्छियव्वो। असावगपाउगो। नाणे दंसणे
चरित्ताचरित्ते। सुए सामाइए। तिण्हं गुत्ती
णं। चउण्हं कसायाणं। पंचण्हमणुव्वया-
णं। तिण्हं गुणव्वयाणं। चउण्हं सिक्खावयाणं
बारसविहस्स सावगधम्मस्स। जं खंडियं। जं वि
राहियं। तस्स मिच्छामि दुक्कडं। पछे त
स्सउत्तरीकरणेणं कही। अन्नत्थ ऊससिएणं॥ पछे
एक नवकारनो काउसग्ग कीजै॥

पछै [illegible] कही । इच्छामी खमासमणो
कि । इच्छाकारेण संदिसह भगवन् । मुहपत्ति
पडिलेहुं । मुहपत्ति पडिलेहीने । द्वादशावर्त्त
वांदणांदीजे । पछै इच्छाकारेण संदिसह भगवन्
देवसीयं आलोउं । इच्छं आलोएमी । जोमे दे
वसीओ अइयारो कओ कहीजे । पछै इच्छाका
रेण संदिसह । ठाणे कमणे चंकमणे आ
लोउंजी । सातलाख पृथ्वीकाय सातला
ख अप्काय । सातलाख तेउकाय । सात

काकाय काय। [illegible]
काया चवदेलाषसाक्षरयवनस्पतीकाय
बेलाष बेंद्री। बेलाषतेंद्री। च्यारलाषदेव
ता। च्यारलाषनारकी। च्यारलाषतिर्यंच
पंचेद्री। चवदेलाषमनुष्यनीजातीएवंचो
र॰ [illegible]
इजीवहण्योहोयाहणाहियाहणतोप्रते
जल्योजाण्योहोयातेसविकम
याइकरी॥तस्समिछामीदुकडं॥

णातिपात१ मृषावाद२ अदत्तादान३
मैथुन४ परिग्रह५ क्रोध६ मान७ माया८
लोभ९ राग१० द्वेष११ कलह१२ अभ्याख्या
न१३ पैशुन्य१४ रति अरति१५ परपरि
वाद१६ मायामोसो१७ मिथ्यातसल्य
१८ एवं अढारे पापस्थानसेव्या हुवै। से
वाया हुवै। सेवतां प्रते अनुमोदीया हु
वा। दिवस विषै मन वचन काया करी
तस्स मिच्छामि दुक्कडं। इच्छं सव्वस वीय

प्राणातिपात१ मृषावाद२ अदत्तादान३ मै
थुन४ परिग्रह५ क्रोध६ मान७ माया८
लोभ९ राग१० द्वेष११ कलह१२ अभ्याख्या
न१३ पैशुन्य१४ रतिअरति१५ परपरि
वाद१६ मायामोसो१७ मिथ्यातसल्य
१८। एवं अढारे पापस्थान सेव्या हुवे। से
वराया हुवे। सेवतां प्रते अनुमोदीया हु
वे। ते सवि हुं मन वचन कायाइं करी
तस्स मिच्छामि दुक्कडं। इच्छं सवस वीय

देवसीय।...

।एकनवकारखमासकहीने।।पिडि।

।पडिवेवंदेउकहीजे।।वंदे

मिके

मकमीजासावगधम्माइयारस्स।१

वावयरेला तनदेतेचगिरहमी।२

सु[illegible]री। सो सव्वदि जल्लेहिअ।
वीयं वयस्स अइयारे ॥१३॥ पुल्लवो। सइये।
अणुमुस्सेणी मुसगपरिहरणविरइ
यो ॥ अयरिए इच्छयवे ॥१४॥ तिनाहम
अन्नेलम्मीसवे विरुधगमणो जक्तीले
जमकाणी ॥१४पुवु॥ चउत्थे अणुवायामी
जिंदपरन्नामण विरइ ॥ अपि इच्छयवे।
१५॥ अपरिग्गहिताइत्तर। अणंगविवाही
व अणुरागे। चउत्थे वयस्स अइयारे ॥पवि।

इत्तोअणुव्वएपंचमंमी। [illegible] रियमप्प
सत्थंमी परिमाणपरिछेए। इत्थपमायप्प
१७। धणधन्नखित्तवत्थु। रुप्पसुवन्नेयकु
वियपरिमाणे दुप्पएचउप्पयंमी॥पडि॥
१८॥गमणस्सयपरिमाणे।दिसासुउड्ढंअ
हेयतिरियंचवुड्ढिसइअंतरद्धा।पढमंमिगु
णव्वएनिंदे।१९॥ मज्जंमीयमंसंमिय।पुप्फेअ
फलेयगंधमल्लेय।उवभोगेपरिभोगे।बीयंमि
गुणव्वएनिंदे।२०। सच्चित्तेपडिबद्धे।अपोल

उओ [illegible] जुओ अहीनमणया।पा॰
कंगालीसु[illegible]।कालीफोडीअवजयेकमं
वाणंजंपिय।[illegible]केसविअविअयोए
वंभुजंतामि[illegible]।निलंछणंचदवीदाणं
रदहलवाद[illegible]।अदपोसंजवजिया।२२
अक्खागहु[illegible]लणकंठे।मंसमुलेनेअथे
संजेदेवा[illegible]।२४।पा॰ न्हाणवट्टणवन्न
गविलेव[illegible]गंधे। वन्नायणेआ
जरलो।२५।पा॰ [illegible]कदयो।मोहराअ

हीगरणजीगिआइरसें। दंकमीअणुंगए। सर्वेम
गुणवणनिंदे।।२५।। लिविहिडणणीहाले। अणव
वाले लायविझी। [illegible] वितकहए। वळमें
सीबावणनिंदे।।२७।। [illegible] वले दैसवणे। अदेस
वेपुगलाबिनें। दिया [illegible]। जीरसीबाव
णमिंदे।।२८।। [illegible]
संथारुचारविहि। [illegible]
पोसहवीवरीए। [illegible]

णाऊ कामसुहोमी ... [illegible] ... हिट्ठे ३०॥ सि

ज्जउ हिएसु। जोजिअ ... अरस्स। अणुकंपरा

णाण दोसाण वा तंमि दिट्ठे॥ ३१॥ साक्कसकसंनिभ

गो। न कक्कोसव्वचरणकरणजुत्तेसु अंतेआ

सुहणे। तंमि हिलेन्वय॥ ३२॥ इहलोए परलोए

जिवीअमरणे आससपओगे। पंचविहे अइय

रो। भजणोज्जं जभरणंते॥ ३३॥ काइए काय

पणिहणेवा इअस्सवायाए। मणसाभाणस्सी

अस्स। सव्वस्सवयाअइयारस्स॥ ३४॥ वेदण

एसीआगारंविंसु।।मायंकंसायमेगिसु।उल्लिसु
असमइस्स।जोअइयारोतेनिंदि।३।प। संपदि
ठिजिनो।जइविजयावेसमाइरेकिंचि।अपी
सिलेइवंधो।जेणेननिद्धंधसकुणइ।।३६।।
तंपिकुअयपडिकमणं।अप्परीयावंसउत्तर
गुणेच।विपेठवसामी।वाइवसुसिकडंधीज
डं।जहविसंकुवगयं।मेतमुलविसारिया।
विज्ञाहणंतमंतेहिं।तोतहंनिविसं।३७।एवं
अठविहंकमं।रागदोससमजियं।आलोयं

तेनिंदंतो। जोदेहफासरूवऊ। ३१। कयपावो
विपरिणसो। आलोइयनिंदियगुरुसगासे। प
होइ अइरेगलहुओ। उहरियभारुव्वभारवहो। ४०
आवस्सएणएएण। सावओजइविबहुरओहोइ
उक्खाणमंतकिरियं। काहिअचिरेणकाले
ण। ४१। आलोयणाबहुविहा। नयसंभरी
यापडिक्कमणकाले। मूलगुणउत्तरगुणे। त
निंदेतंचगरिहे। ४२। तस्सधम्मस्सकेवलीपन्नत्त
स्स। अब्भुट्ठिओमिआराहणाए। विरओमिविरा

हणाए।तिविहेण [illegible] किज्जंतो।[illegible]माणि हो
चउवीसे॥४३॥ जावंती चेइआइं उड्ढे अ अहे
य तिरियलोए अ। सव्वाइं ताइं वंदे इह संतो त
त्थ संताइं॥४४॥ जावंति के वि साहू भर
हेरवय विदेहे। सव्वेसिं तेसिं पणओ तिविहे
ण तिदंडविरयाणं॥४५॥ चिरसंचिअ
पावपणासणीया भवसयसहस्समहणीए। चउ
वीसजिणविणिग्गयकहा। वोलंतु मे दियहा॥
४६॥ मम मंगलमरिहंता सिद्धा साहू सुअं च

धम्मो॰ ॥ सम्मद्दिदिदेवा ॥ दंतु समाहिं च बोहिं
च ॥ ४७ ॥ पडिसिद्धाणं करणे ॥ किच्चाणम
करणे ॥ पडिकम्मणं ॥ असद्दहणे तहा ॥ वि
वरीअपरूवणाए ॥ ४८ ॥ खामेमी सव्वेजीवे
सव्वेजिवा खमंतुमे ॥ मित्ति मे सव्व भूएसु वे
रमज्झं न केणइ ॥ ४९ ॥ एवमहं आलोइय ॥ निंदि
अ गरहिय दुगं छियं सम्मं ॥ तिविहेण पडि
कंतो ॥ वंदामी जिणे चउव्वीसं ॥ ५० ॥ पढे
पोयसखामणा दीजे ॥ इच्छाकारेण संदेस

इच्छामि खमासमणो वंदिउं जावणिज्जाए निसीहिआए अणुजाणह मे मिउग्गहं निसीहि अहोकायं कायसंफासं खमणिज्जो भे किलामो अप्पकिलंताणं बहुसुभेण भे दिवसो वइक्कंतो जत्ता भे जवणिज्जं च भे खामेमि खमासमणो देवसियं वइक्कमं आवस्सियाए पडिक्कमामि खमासमणाणं देवसिआए आसायणाए तित्तीसन्नयराए जंकिंचि मिच्छाए मणदुक्कडाए वयदुक्कडाए कायदुक्कडाए कोहाए माणाए मायाए लोभाए सव्वकालियाए सव्वमिच्छोवयाराए सव्वधम्माइक्कमणाए आसायणाए जो मे अइयारो कओ तस्स खमासमणो पडिक्कमामि निंदामि गरिहामि अप्पाणं वोसिरामि।

इच्छाकारेण संदिसह भगवन् अब्भुट्ठिओहं अब्भिंतर देवसीयं खामेमि।। इच्छं खामेमि देवसीयं।। जंकिंचि। अपत्तियं। परपत्तिअं। भत्ते। पाणे। विणए। वेयावच्चे। आलावे। संलावे। उच्चासणे। समासणे। अंतरभासाए। उवरीभासाए। जंकिंचि मज्झ विणय परिहीणं। सुहुमं वा बायरं वा। तुब्भे जाणह अहं न याणामि। तस्स मिच्छामि दुक्कडं।। पच्चेदीय खामणादीजेम जकायें।

ञायासद्वेसिवीहिलबामेमी।अंवेस्ससम्
पञ्चंघस्स।जेणवई अंजलीकरीसीसेसवे
अमावेत्ता।अमामीसवेसज्ञहियेपी२सवेस
जीवरासिस।ज्ञावरंधम्मोनहीनचितो।अंवे
अमावइत्ता।अमामीसवेसज्ञहीयेपी।२
।२खंकरेमीजंतेसामाइयंकही।।इच्छामी
वामिकाउसग्गोजोमेदेवसीयोअइयारोक
उंकहीजे।तस्सउत्तरीकरणेणंकही।अ
न्नत्थकारनीकाउसग्गकीजे।।पछे लोगस्स

कहीं। सब्बजीवरक्खणदिहं नेहं इणाणं। करेमी

।पव्वेपुक्करवरदीवढेकहीजे

अनउस्ससीए

नी

सुयदेवीया

।अन्नत्थउससीए।

वद्धमंन।

र्नो कालउपगकीजे ।। पछेनमोअरहंत सिद्धच
र्यापाध्यायसर्वसाधुभ्य ।। क्रयदेवीयम्यजगव
ज्ञानावरणीहिं कम्मसंघायं जेसी कम्मैरव
लां फिसंकलायरेहंति ।। १ ।। खिन्तिदेवीया
यकरेमीकाउस्सगं ।। अनत्थउस्ससीएणं कण ।। १
नवकारनीकाउस्सग्गकीजे । नमोअर्हत्सिद्धा
चार्योपाध्यायसर्वसाधुभ्य ।। यस्याक्षेत्रंसमाश्र
त्य साधुभीसाधयतेक्रीया ।। साक्षेत्रदेवतानित्यं
भूयान्नःसुखदायनी ।। २ ।। नवकार १ प्रगटगु

णी इछामीखमासमणोवंदीउ।इछाकारेणसंदि
स्सह भगवन्।मंगलं।कामुहपंतिपडिलेहुं।।प
छे छछाआवसगनीमुहपतिपडिलेहीये।।
पछैदोयखांमणादीजे।पछै इछामी अणुसंठि
यं।नमोखमासमणाणं।नमोर्हत्सिद्धाचार्योपा
ध्यायसर्वसाधुभ्य।।नमोस्तुवर्धमानायस्पर्द
मानायकर्मणा।तज्जया।आसमोक्षाय परोक्षा
यकुतिर्थनां।।१।। येषांविकचारविंदराज्या
ज्यायक्रमकमलावली।दधत्पाशादृशैरितिं

मतो। अनासंक थिइंसंजशिवायले जिनेश॥४
कमाचितायदिसजेजनिवर्ली। करीतीयोजे
नमुरवाभुधीमहा। अष्टकर्मासोज्ञव वृधी
मलिमो॥ दधात तरुभय विस्तरे गिरं॥२॥ न
मोकूणकही॥ इच्छामीखमासमणोकही। इ
छाकारेणसंदेसह भगवन्। स्तवन भणुं। स्त
वन भणु। नमोऽर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायस
र्वसाधुभ्यः। स्तवन॥ शितलजिनवरसहि
जसुरंगा। तुमदरसणथीदिलचंगा हो। [illegible]

जीअरजसुणीजेमोरी॥अरज०॥कतो
चाकरसेवातोरीहोप्र०॥१॥अशुभहिरकरे
जेमोसुंमोरीदीलमेलागोतोसुंहो॥प्र०अ०
॥२॥उजमूरतिमोहनगारी॥उअमूरतरीब
लीहारीहो॥प्र०॥अ०॥३॥जिनवाणीउधमय
मी॥जिमतरुफुलीतिपरसीहो॥प्र०॥अ०४
जिमंचेदविकारीनेहो॥जिमडरनेवलीमेहाहो
प्र०॥५॥अ०॥तुंतारकत्रिभुवनतारा॥सुर
नरनारीगुणगाताहो॥प्र०अ०६॥

सत्तरणकाजै सुजन्मा प्रोवंछितरजेहो।अ०न्म
ठस्का पुरसिं अधिकदिराजे।तिहांशीतलजि
नवरमाजेहो। अ०न्म० तपगछपतितेजस्व
वास्था श्रीविजयक्षमासूरिरायाहो।अ०न्म
।२। वृध सुंदरसुकुमलगुरुराया। शिरास्तु
सुविजिअमसगुणगायाहो।अ०।न्म०।२०।स्त
वनकहीसुखंवरकलगअंसविद्रमारम्य
णकानिवंदियमीहं।ससरीमयंजिणाणं
अवृमरहइस्ववंदे।।९।।इन्नामीण नगरीना

हं।इछामीखमि आचार्य हि।इछा।मिखमा।टपा
भाणि।इछामीखमि समस्त साधुने त्रिकाल वंद
णा।मा वीहाथ धरती ये टेकी।आणइ जेसादीव
समुद्दे सा।पनरस्य कम्मभुमीसु।जावंति केवि
साहु।रयहरण गुच्छ पडिग्गह धारा।पंचमा
हावय धारा।अठारसिहस्स सीलंग धारा।ए
खुआयार चरित्ता।तेसव्वे सिरसा।मनसा।मच्छ
एण वंदामि।इम कही पछे इच्छं देवसी प्राय
छितं करेमि काउसग्गं।अन्नथ ऊससीएणं

कही च्यार लोगस्स अथवा सोलै नवकारनो
काउसग्ग कीजे। पछै लोगस्स कही इच्छामी
खमासमणो। इच्छाकारेण संदिसह भगवन्
सज्झाय करूं। इम कहीनै नवकार गुणी पछै
सिज्झाय कहणी। सीझाय कहीनै नवकार गु
णीजै। पछै इच्छं दुखखय कमखय निमित्त
करेमी काउस्सग्गं। पछै अन्नत्थऊससीयेणं कही
सोलै नवकार अथवा च्यार लोगस्सनो काउ
सग्ग कीजे॥ पछै नमोऽर्हत्सिद्धाचार्योपा

ध्यायसर्वसाधुभ्यः।शांतिंशांतिनिशां
तंशांतंशांताशिवंनमस्कृत्य।स्तोतुःशांतिनिमि
त्तंमंत्रपदैःशांतयेस्तौमि॥१॥ॐमितिनिश्चित
वचसेनमोनमोभगवतेर्हतेपूजां।शांतिजि
नायजयवतेयशस्विनेस्वामिनेदमिनां।
सकलातिशेषकमहासंपत्तिसमन्विताय
त्रैलोक्यपूजितायचानमोनमःशांतिदे
वाय॥३॥सर्वामरसुसमूह
तायनिजिताय।भुवनजनपालनोद्यत

यत्ता लितोनमस्त्वस्से॥४॥सर्वडरीतोघनाम
सना करायासर्वशिवप्रशनमनायः ७९
गृहभूतपिशाच।साकनीनांप्रमथनाय
॥५॥ यस्येतिनाममंत्रःप्रधानवाक्योपयो
गकृततोषा।विजयाकुरुतेजनहित।मि
तीनुतानमततंशांति॥६॥ नवत्रनमस्ते
भगवती।विजयेसुजयेपरापरेरजते
अपराजितेजगत्यां।जयतीतीजयावहे
भवती॥७॥ सर्वस्यापिचसंघस्य।भद्र

कल्याणमंगलंप्रददेसाधूनां सकल शिव
तुष्टिपुष्टिप्रदेजीया॥ ८॥ भव्यानांकृतसि
द्धि निर्वृति निर्वाणजननिसत्वानं अभयप्र
दानिरतेनमोस्तुस्वस्तिप्रदेतुभ्यं॥ ९॥ भक्ता
नांजंतूनां।शुभावहेनित्यमुद्यतेदेवी।सम्यग
दृष्टिनांधृतिरतिमतिबुद्धिप्रदानाय॥१०
जिनसासननिरतानां।शांतिनतानांचजगति
जनतानां।श्रीसंपतिकिर्तियशो।वर्द्धन
यदेवीविजयस्व॥

[illegible]
स्त्वव्रजोदि [illegible]
दिकारस्य [illegible]
स्वदा [illegible]
सहीमें [illegible]
॥ ७ ॥ अथ [illegible]
व्यामनवप्य [illegible]
ध्याय [illegible]
दोष्मवं [illegible]

जेणं जेस्सुत्रादाने ॥९॥ इती देवसी प्रति
क्रमणनी विधी ॥ अथ सामायक पा
रवानी विधी ॥ प्रथम इरियावही कही
आर नवकारनो काउसग्ग कीजे । पछे प्रग
ट लोगस्स कही । पछे इच्छामी खमासमणो क
ही । इच्छाकारेण संदिसह भगवन् चैत्यवंद
न करुं । चउक्कसायपडिमल्लूरण । दुज्जय
मयणबाणमुसुमूरण । सरससपीयंगुवन्न ।
गयगामीय । जयोपास भूवणत्तयसामी(

य।।डसतप्पकंतियकम्मिंसलिहो।श्रो
ड्इफणमणीकीरणालुद्धो।नुनवजलह
रसन्निलयलंबी।उ।श्रोजिणपासपयच्छवं
चिउ।२।। निस्सहीनमोखुणंकही।इच्छामी
इच्छाकारेण।सामायकपारवामुहपतिपडि
लेऊं।इमकहीमुहपतिपडलेहीये।इच्छाका
रेण।भगवनसामायकपारुं।इच्छाकपासा
मायकपारवाभावनागाथाकहणु।रनवका
रगुणीजे।गाथा।सामायकवयजुत्तो।जा

वस्तुणीहेइनियमअंतुरो।वि नञ्भसूंकेम्म
सामाइयंजुतियावारा॥९॥ सामाइयंमुसि
आंवासमणोइवसावकहेइजम्हा।एएणं
कारणेणं।वहुसोसमाइयंकुया।सामा
यविधइलीअं।विधेपासेो।विधेकरतोअ
वधआसालनालागीहेय।१०मनरा१०वच
नरा१२कायारा।वत्रीसदोषणमधेजीको
इदूषणलागोहेय।तेअविक्षेमनवचनका
याइकरीतस्समिछामि।तीननवकारगुणीक
पुनपेहरीजे।इतीदेवशीप्रतिक्रमणसाम

॥अथश्रीशेत्रुंजानोरास।लिष्यते।दुहा॥
श्रीरिषभजिनेस्वरपायनमि।आंणीमनआंणंदसार
सत्रुंजरलियामणुं।शेत्रुंजनोसफलकंदा।१।अते
तचारअतीतरे।जावीधनेअरक्षुरा।तिणशेत्रुं
जमातम।कियो।डीला।दिसचतुर।२।वीरजि
णेदसमोसर्या।शेत्रुंजउपरजेम।इम।दिवल्या
गलकह्यो।शेत्रुंजमातमएम।३।शेत्रुंजतिरथ
सारषो।नहिछेतीरथकोय।स्वर्गम
र्त्यतिरथसघलाजोय॥४॥नांभिनंदि

पिङ्गलीपरब्रह्म [illegible] ५॥

तीतिरथएह॥६॥ जालरजी॥ केवलरी

नीसुषतिथंकरां अनेसिद्धाइणसोमरै

अनेतवलिसीजहैइणवोमै। लिलाअनि

तपरणांमरे। सिवेसेत्रुजेसाधअनंतासी

॥श्रीकश्रीवलीयअनंतरे। जिणमे

रथनहीनेदो। सेगत्रविश्वकहंतरे

॥२॥ फागुणसूदिआरगनेहिवसै।

[illegible]

स्वमिंमांत्रंखास्रे। सेठ।३। नरलछत्रचेत्रीश
नमदीन। इणथेत्रुजगिरस्नाइरे। पांचकोमि
सुंमुंनरिकसिद्धा। तिणकुंनरीकक्हाइरे।४
।।सेठ। नमिविनमीराज विद्याधरत्वेवेकोन
संघातरे। फागुणसुदद्समीदीनसिद्धा। ति
णसुणमुंसरस्नातरे।।५सै। चैत्रमासवदिचौ
उदस्नेदिन। नमीपुत्रचउसठरे। ऋणस्रण
करथेत्रुजे गिरउपर। एसकासिद्धाएकठरे
।।६।।सेठ। पोतराप्रथमतिर्थंकरकेरा। आक

निवलिरिद्धिरैकातिसूदि॰मने सिद्धा।दरा
कोमिमुनिसंसलरे॥७।सेणपांचेपांनवरु
गिरथिद्वा।नंवनारिदरिषरायरे।मंन्नशुजु
नगयाइहोमुक्तो।आदेकमलिपायरे॥८सेण
॥नेमविनातेवीअतिर्थकराअमोप्यस्वा।गि
रिश्टंगरे।अजितशांतितीर्थंकरवेउ।रस
चोमाश्रीरंगरे॥सेवे९॥अहश्रझाश्रुपरवार
संघाते।थावचाश्रुतश्राधरे।
शैलगमुनीवर।

॥सेठि॥ ऋअंश। साधु निंत्रै तु जे सिद्या मरतेम
रक्षीपा हिरे। रांसन्या निमरता दिक अीद्या सुग
निसलीरवांहरे॥ सेठ ११ जा लिमयावींतु
व थाली। अनुकुसाफ नीकी फिरे। साधु अनंत
संतु जसिद्या। जलमु वेकरजो फिरे॥ १२॥ सेठि
॥ ठाल॥ सैतुंजा ना कडसी लेउद्वारा तेसमय
जोसडाकी। सकविचार। समणतां ज्ञाणदमोग
नमास्यां जननमजनमनः पातिक जाय॥ १॥ समय
नहेवजमजो धाातुरी। समवसरया सामोहीत

करी।भरतलगयोवांदणनेंरूज्ञा।ऋषभदेवादी
योजिनराज।।२।।जगमोहिमोटोअरिहंतदे
व।चउसठइंद्रकरेजसुसेव।तेहथीमोटो
संघकहयाजेहनेप्रणमेंजिनवरराय।३।
तेहथीमोटोसंघवीकयो।भरतस्रुणीनेमन
गहगह्यो।भरतकहेतेकिमपांमीये।प्रभुकहे
सेत्रुजजात्राकीयें।।४।।भरतकहेसंघवीप
दमुज।तेआपोऊंअंगजतुक।इंद्रेआंण्या
अक्षतवास।प्रभुआपेसंघवीपदतास।।

॥५॥ इहैलिहाँ [illegible] सकालेलैलखुन्ना।
खिडोलैसाल।गुहिरावीधरस्रेडेसीया सस
रुखीलंगारखुन्ना पिना॥६॥ रिसनदे
वर्नाइलिसाउली रललणीदियीमनरली
नरलेगणधूरसेमीया।डांतिकुष्टकस्र
जन्नोकीया॥७॥ कंकोनीमुकीसुजदे
सानरललैनायेसंघन्नचेम्र। नायेसं
घन्नजोधसाधुरी।अथमस्थकीरथजात्राके
री॥८॥संघनकिवाधीन्नलिखणीसंघ

चलायोमैंउजामणी।...पुरवकुलवलके
वली।मुनिवरकीकिआयैजिरयावली।।९।।
चक्रवर्तनीयगलीरुद्ध।भरतेआयेलीली
सिद्धि।हयगयरथपायकपरवार।सेती
कहतांनावैपार।।१०।।भरतेसरअंसुवी
कहवाय।सारगचैत्यउधरतोजाय।श्रेयु
आयौयैतुंजापाय।यज्ञनीहुवीसुननीश्र
म।।११।।नयणेनिरख्योसेत्रुंजराय।मणि।
माणिकमोतीसुंवधाय।

रोकेवलीयो। भरतै झगडो दसहज वरसीतो।।१२
मोह हूयो तिहुं लोक परसद्धो। फरस्यं लोपातिकर्म
हिणस्यो। केवलज्ञानी पण ला तिहां। अण
स्वार अणजक्ष छै जिहुं॥१३॥ केवलज्ञा
नी सूत्र तुं त्रिभुवन। रत्नांने झांणीस्यु पवित्र
न कीधे उजालो मोह मणी। नरनेदीठो कोतक
मणी॥१४॥ गणधर देव तणो उपदेश। इन्दे
व कीधी श्री आदेश। आदिनाथ तणो देह
रो। भरत करायो शिरसेहरो॥१५॥ सोनाने

प्रसादउत्तंग।रतनलगीलु [illegible] प्रमुखमंडपा [illegible] नलि
कीआदिस्परतणी।प्रतिमाथापीसोहामण
॥१६॥मरुदेवीनीप्रतिमावली।सहीधनय
यापीरली।ब्राह्मीसुंदरीप्रमुखजमापच
रलेथापानतलनिवाद॥१७॥ [illegible] क
प्रतिमाप्रासाद।भरतकराव्याप्रभुगुरुप्रस
दा।भरतराणोएप्रथमउद्धारायुगलीहीजे
लीजेसार॥१८॥ढाल॥भरततितलैपाटश्र
वमें।दंडविरजथयोरायोजी।भरततणी

...तीसी॥ ते त्रुजैन स्तुति कहयो ली॥ १

॥ सी लमी टाली वद्ध

...स्न सुरस्थात बीजा वली। तेन विकज

...जी॥ चैत्य करायो ऋ

...। सीना नो बिंब स्था री जी। मुंल गो

...नारीयां। पश्चिम दिस तिण वारो ली

॥ त्रुज निज जात्रा करी। सफल की

...वना रो जी। दक वीरजरा जातणी।

...जी॥ सो स्था रो पम...

अतिक्रम्या।ऽऽगर्वीरजथीजिवारीजी।इशा
नेऽकरावियो।एत्रीजोउद्धारीजी।सेचिपाचो
थादेवलोकनोधणी।माहेंद्रसमकितधारे
जी।तिणश्रेत्रुंजनोकरावीयो।एचोथोउद्
रोजी।।सेइंद्रपांचमादेवलोकनोधणी।ब्र
लेंद्रसमकितधारीजी।तिणश्रेत्रुंजउधारक
रावीयो।एपांचमोउधारीजी।।सेइंद्रभुव
नपतिइंद्रनोकीजो।एछठोउधारीजी।सुँ
वतिस्यागरपणोकीयो।एसातमोउधारे

८। सेवि॥ अभिनंदनपासिस्वरूपो। सेत्रु
अधिकारोजी। संवरइंद करावीयो। ए॰
वमोउधारोजी॥९॥सेवि॥चंद्रप्रभसामीनो
पोसरो। चंद्रशेखरनामसव्हारोजी। चंद्र
जसरायकरावीयो। एनवमोउद्धारोजी
१०॥सेवि॥ शांतिनाथनीरूणीदेसना। शां
तिनाथश्रुतसुविचारोजी। चक्रधरराय
करावीयो। एदसमोउद्धारोजी॥११॥से०
दशरथसुतजगदीपतोमुनिसुव्रतस्वा

सीवारोजी॥श्री संघ चूंप करावीयो। एहम्पार
मोउद्धारोजी॥१२सेवे॥ पांमवकोडेमुमे
वीया। किमचुटांमोरी मायोजी॥कहेंओरी।
श्रीसेत्रुजतणी। जात्रा कीयां पाप जायोजी
१३॥सेवे॥ पाचेपांडव संघ करी। सेत्रुजोने
अपारोजी। काष्ट वेसखिं
रमोउद्धारोजी॥१४॥सेवे॥ समांणीयांजांण
नीप्रतिमा सुंदर रूप सरूपेजी॥श्री सेत्रुज
नी संघ करी। थापी सकल अनूपोजी॥

अडोलरसो वरसांभयो।श्रीरूपथीजिव
रोजी।श्रीरत्नजावृद करावीयो।एतेर
मोखारोजी॥१६सं०॥ संवतबारेतेरोतरे
श्रीमालीस विचारेजी।बाछडदेमुहते
करावीयो।एचवदमोतखारेजी॥१७सं०
संवतसेरेइकोतरे।देवालहरअधिकारे
जी।अमरेसाह करावीयो।एपनरमोउ
धारोजी।१८।सं०।संवतपनरअसासीये
वैसाखसुदिअजवारोजी।करमेदोसीकरा

दाणिरक्षारो ऽी॥ १२सी॥

॥ एवरतेवेतद्वा री ऽी॥ नि

॥ सि

वलिथ्रेतुजूमातमक कांसो ग्रलो

सोएम॥ १॥ जेहवीहेहवीदरसल

मांनलो॥

॥२॥

त्पकरावेजेहाप्दलपरमांणुसलवाहे

सोपमस्कमसेंहु॥३॥ श्रीश्रेउजनपदेह
सेनवोनिपावेकोइ।जीरणोद्वारकराव
लां।लाजन्मनेतोहोय॥४॥सिरउपरगाग
रधरी।निरपूजेजेनार।चक्रवर्तनीस्त्रिय
इ।पामेनवनोपार॥५॥कातिपुनमश्रेत्रु
जइ।चढीकरेउपवास।नारकीसोसागर
समी।करेकर्मनोनास॥६॥कातीपर्वमे
टोकसो।जिहांसिद्वादकोमि।ब्रह्मस्त्रीबा
लकहत्या।पापथीनांखेवोन॥७॥सहस

काष्ठ आतूवकरणी।जीजनतुरन्य।लि प्रिया।री
जमाधपक्तिजाणतां। आणिवीसतुणी।दिया।
॥८॥ढाल।सेत्रुंजैगयांपापतुटी।थे॥
लीजैआलोयणएगोजी।तपजपकरीकैलि
हेरही।तिर्थंकरकहीएगोजी॥१॥सेवि॥लि
णसोनाणिचोरिकरी।एआलोयणसाणी
चैत्रीदिनश्रेत्रुंजेचढी।एककपेतपवासीं
॥२॥से। वस्त्रतणीचोरीकरी सातआंबि
लसकद्दयायोजी।काती आर्वेदीनतपकी।

यां रूलनदरणपास जाप्रीजी।। सेठि कांसीपी
तकतां ब्यारजतणी। चोरि कीधी जेणोजी
मास दिवस सुरमण करै। तो लूटे गिरए
णोजी।। सि०।। ४।। मीतीडवाल ढुंगीया
जिणजी स्यानरनारीजी। आंबिलकर
करै। त्रिणटंकसुद्ध अचारीजी। सि०धं
पांणी रसचोरिया। ते नेटे सिद्ध तेजी सै
तुजेतलहटी साधनै। नफिलानेश्रमचितो
जी।। ५।। सि०।। वस्त्राभरणजिलेहस्या ते

ओंश्वारि१.रिद्धाजकामसधवअधत्रुऊना
रोजी। भ्रमभंगेतेहनेकाभिभा।बंमासीवपसा
रोजी।।१२।।सोगौ।गोवियस्त्रीबालककथी।
एहनोघातकजेहेजी।प्रतिमामागलआ
लोयतां।छुटेतपकरतेहेजी।।१२।।से०पा०
।।संप्रतिकालेसोलमोए।एवरसेकेउद्धार
।।सेत्रुंजेजात्राकरोए।।छहरीपालतांचा
लोभए।।सेत्रुंजेकेरीवाटसे।।पालीतांणेअ
जचोयेए।।अंधमीजीवकथारसे।।से०२।

ललितसरोवरदेखीयेएकली ... ... नीका वि
॥सेवे तिहां दिव्य रंगे लीजीएँ एतमरी चो
तरैआवि॥३॥सेवे। काहितातापाजमीए
चणीये उठपुरला।ति।सेवैसेत्रुजीनदीयतु
हमलीएड्रस्थकीदेखात॥सेवे४।चडीये
हीपुलाजनिहजिए।कलिकंभनमीयेदक्ष
सेवे। बारीमांहेपेसीयेए ओली अंगतल
सा।५।सेवे।मरुदेवीटुकमनोहरु एत...
डीमरुदेवीमायसेवे आंदिनाथजिणसे

कमेरु अग...जेतसुपाय सेवे ॥ कंसपीर
वालेपरमलेए । सोमलीसा हलकार से ॥ रू
पजीसंघवीकरादीयोए । चोमुखमूलनप्ता
से ॥ ३ ॥ चोमुखडतिमाकरवियेए । नमति
मांहिलला । विंव । से । पांचेपांमवप्रजीयेए
आदेसुधम्मादमुलंबा । से ॥ खरतरव
सहीषांतसुए । बिंबतुहसंत्रनेक । से
नेमनाथचवरीनमुंलगाजुंप्रलगउदेग
॥ से ॥ ॥ धरमद्वारमांहिनिसरूए । क

गलिआरूअतिडूर।।से०।। हठं आदिजि
यदेहरेए। करमुक्त रुखकर्तूर।।से०।।१०
मूलनायकप्रणमुंसुंदर ग आदिनाथजग
वेतादेवजुहारदेहरीए अमतिमोहनमं
ल।।११।।से०।।सेत्रुजेउपरलीजीए लां
चैवंमेसनान।।से० कलसअवीसरो
करीए निरमलजिमथूगात्र।।से० १२।।१
प्रथमआदिश्वरआगलए पुंडरीकगण
धार।।से०।।रायणहेठलावलीए।रां

दिना पूरण अवतार ॥ १४ सो० ॥ सत्यगलढ
पग लोकसुर ॥ चोमुख प्रतिमा च्यार ॥ सो० ॥
वीजी प्रम भिं बावली ए पुंडरीक गणधार
॥ १५ ॥ सो० ॥ सूरजकुंड निहालीये ॥ अतीनल
उजला जो लिसे चेलणतलाइ सिद्धसील
ा अंगीकर उलोल ॥ सो० ॥ आदि पुर पाजे
उतकृष्ट ॥ सिधवनलुं विसराम ॥ चैत्र प
रवा मेइल परकसए ॥ सिद्धवे खितकांम ॥ सो
० १६ ॥ जात्रा करी सेत्रुंजतणीए सफल

कीधीअतवारसी। ऊक श्रीसुं ॥ चौवि
संघसकपरिवार॥७॥सेठि तुजो रा सु
रामणीए।सोहलज्योसकाकोय।सेठि हर
बैवानपेजावसकए।लसकजात्राकलहोय
संवतसोलबयासीयेए। श्रावणवदिदु
अकारसेरायहनपोसेठजतलोए नगरलो
गोरमजार।सेठि१८ गऊंतगछखरतरतणो
ए।श्रीजिणचंदसूरीसरसेप्रथमसिष्य
श्रीपुजनाए॥८॥ सक-

तासुसीसजगजांणीयैए समयसुंदरगवकाय।
।सेि।। रासरच्यो तिणरूवमीए। सुणतांआणं
द थाय २१ ।सेि॥ इती श्री सेत्रुंजानो रास सं
पूर्ण।। जिहांलग मेरुअडिग है। तिहांलगससि
अरुसूर। जिहांलग आपोथीसदा। रहिज्यो
गुणभरपुर।।१।। आथन्जोपियजोभरचजे
हितकरदीजो दान।। पोथीजतनेराषजो
ज्युं पावोसनमान।।२।। पोथी कांनुगाश्री
पूनमचंदजी वाचनार्थ ।। ।। श्री

॥अथ गौतमस्वांमीजीनोरासलिख्यते॥
वीरजिनेसरचरणकमल।कमलाकैवासो।
पणमविपभणिससांमीसाल।गोयमगुरु
रासो।मणतणवयणेकंतकर।निसुणो
भोभविया।जिमनवसेतुमदेहगेहगुणगण
हगहीया॥१॥ जंबूदीवभरहखित्तखो
णितलमंडण।मगधदेससेणीयनरेस्वर
रिउदलबलखंडण।धणवरगुव्वरगांमनाम
जिहंगुणगणसज्जा।विप्पवसेवसुभुइ२.७

रलरूपेहवीनजा ॥२॥ ताएकुलसिरइंदजू
रूवलयस्रसिद्दी। चवदेविद्याविलहरूना
रीरसहुदै। विनयविवेकविचारआगरगुण
गहमनोहर। सातहाथसरूपमांणकायरूपे
रेभावर। नयणवयणकरचरणजेणेपंकज
लपंकिम। तेजहतारावेदसरआकासजम
सीय। रूपेहीमअरणअनंगकरमिल्यानिरघ
रीय। धीरमसिंगंभीरधीर। चंगीमयचाकीय
॥३॥ पेषवीनिरूवमरूपजासजिनजपेकिं

त्रिय। एकाकिवलितइच्छगुणमेजाश्रुंसिथे
एहवाश्रनिश्चयजमः एणछेयाणंचीयु। रंगाहु
उमागोरीगंगरतिहांविधइहवेंचित्य।५। जाई
वुधनहिउअकदलकोइजसुआगलहोस्यो।
पंचमयोगुणपात्रमांतहीहेपरवसीस्यो। क्रिसे
निरंतरजइकर्ममिथ्यामतमोहीय इण्यकाल
होस्यैचरमनांणदंसणविछोहीयां॥६।
जंबुदीवइनरहत्तासंपि।
गधदेशसेणीयनरेसर।धणवरगुवरगं

रतीसकपोहवीनजा ॥ २ ॥ ताणपुत्तसिरइंदभू
इगूयलयघसिद्धो। चवदेविद्याविवहरूना
णीरसलुद्धो। विनयविवेकविचारसारगुणग
णहमनोहर। सातहाथसुप्रमांणकायरूपे
रंभावर। नयणवयणकरचरणजेणेपंकज
जलपाडिय। तेजहतारा चंदसूरआकासभम
मीय। रूपेहीमयणअनंगकरमेल्याहिरघ
रीय। धीरमसिंगंभीरधीर। चंगीमयचामीय
॥ ३ ॥ पेषवीनिरूवमरूपजासजिनजंपेकि

चिय। एकाकि वलितइक्ष गुणमे जाणे सिवे
एहवा दिन्नश्चयजम्म एणछे याणंचीस। रेनाप
उमा गोरी गंगर तिहां विधइ हुवे चिय। ५। इडि
वुधनहि पुमकदंण कोइ जम्मु आगल रहीयो।
पेचमयो गुणपात्रबालहो मे परवरीयो। करे
निरंतर जइ कर्म मिथ्यामत मोहीय इणकाल
हे से चरम नाण दंसण विमोहीय॥ ६॥ वस्तु॥
जंबुदीव रजरहखासोभि। श्रीलीलम मेमणो। म
गधदेशमे णीय नरेसर। धणवरघवरमो मतिहं

विष्णुवसेवसुतुद्रासो दसलक्षपोहवीनद्या पोह
वीस्मयलगुणगणरूवनिहाल। नाणपुरुत्तवि
जानिलो। गोयम अतिहीसुजाण॥७॥ नवम
चरमजिणेसर केवलनाणी। चौविहसंघप
यठाणी। पावापुरसामीसंपत्तो। चउविद
हनिकायेजुत्तो॥८॥ देवहिंसमवसरणतिह
कीजे। जिणदिठं मिथ्यामतछीजे। त्रिभुवन
गुरुसिंहासनबैठा। ततखिणमोहदिगंतेपे
ठा। रु क्रोधमानमायामदछूरा। जयेनाठा

जिमदिनचोर।दिदडंडजिम्मकाछैवाणी।धु
रमनरिसञ्राआगाजी॥२७॥ उसमहोछिछिरं
चेतिहंदेवा।चउमवइंदजमोनेसेवा।चा
मरव्वत्रचिरऊपरसोहे।सुर्देहिजिणवरजस।
मऊमोहिं॥२८॥ उपममरञ्जनरवरसंता।जो
जनऋमिवषांणकरंता।जोणेवरईमांनजि
नराया।सुरनरकिंनरञ्आवेपायो।कंतम्रभी
हीजलहलकंता।गयणविमांणेरूपरयानंता
पिषवीइदञ्नरमनविंदे।॥२९॥

...॥ ...तीरलंक्रकिमतेवहताम्रम
...रणपुजाराग्रहमता। तोम्ञनीमांनेगोय
...वे।इण म्रवसरकोपेतणुकंपे॥१४॥सु
...नीकृम्रजांणपावोलै।सुरजांणताइम
...इमोहै।मोमुनकोइजांणनणीजे।मेञ
...म्रवर किमहुंपमादीजे॥१५॥...॥वी
रजिणवर२नांणसंपन्ना।पावापुरस्करमहि
य.पस्ननाहसंसारतारण।तिहांदेवे निम्मक्कि
...म्रवसरणबहुजस्तजकरण।जिणवरम

रै।तेजे जिमदिनकार।सिंघासणसोमीतओ
ऊवीतीजयजयकार॥१६॥ढाल॥
योघणमोणगजे।इन्द्रनरेन्द्रदेवतो।ऊंक
करीयंचरीय।कवणसुजिनवरदेवतो॥१७
जीजनऋमिसमवसरण।वेषवी[illegible]॥
तो।दहदिसदेषविवुधवधूलावंतीझूरं
तो॥१८॥मणिमयतोरणदेइधणा।कोसीसन
वघाटतो।वयरविवर्जितजेउगणा।प्रा
जझावतो।

क॰ नेतो ।१४। आलीरतरंजकु भिमतिवहताअम
नुम्हरणपूकताागहगता। तीऋजीमांनेगोय
मणिपोऽएनमतुसरकोपेतणुकंपे।।१४।।सु
गतीकुअजांणपाबोलै। सुरजांणताइम
कोइ मोलै। मोगांतकोइजाणनणीजे। मेक
हिअवर। किमतुपमादीजे।।१५।।वस्तु।। वी
र जिणवर २ नांणसंपन्न। पावापुरसुरमहि
य। पतनाहससारतारण। तिहांदेवेनिम्मविअ
समवसरणवहुजसकरण। जिणवरजग

रे।तेजे जिमदिनकार।सिंघासणसोभीवमौ।
ऊवीतीजयजयकार।।१६।।गा.सो।।तीनछ
योघणमोणणजे।दुन्दुन्दुनइदेवतो।ऊंकारि
करीयंचरीय।कवणसजिनवरदेवतो।।१७
जोजनभूमिसमवसरण।पेषवीप्रथमारंभ
तो।दहदिसिदेषविबुधवधूआवेतीसुररंभ
तो।।१८।।मणिमयतोरणदंडधजा।कोसीसीन
वघाटसी।वयरविवर्जितजेउगणा।प्रातिहार।
जसभावतो।।१९।।सुरनरकिंनरअसुरवर।।

इंद्रद्राणीरायतो। चित्तचमकीइम चिंतवे एसेवं
तां अनुपायतो॥२०॥ सहससकिरणसांमीवीर
जिण। पेखवीरूववितातो। एहअसंजमअंज
मेए। साचोएइंद्रजालतो॥२१॥ तोबोलावे त्रि
जगगुरु। इंद्रभूइनामेणतो। प्रीमुखसंसयसां
मीसवे। फिफिवेदपएणतो॥२२॥ मांनमेलमदठे
लकरे। नमतेनांमे सीसतो। पंचसयांसूं व्रतली
यो। एगोयमपेलोसीसतो॥२३॥ वंधवसंजमसु
णेवीकरे। अग्निभूइआवेयतो। नांमलेइआ

ाषकरै।तीपिणडतिबोधेयलौ॥२४॥अथ्अ:
ुक्रमगणहररयणं।थाणा॥विरप्पासौ।तोणप
ओनवनपुङ्कंप्पेयमसेवलनामलो॥२५॥वि
[illegible] ।म्मापणपिवि[illegible]
[illegible]
[illegible] जैपारिकारीक।
ोहतोसरजा [illegible]
[illegible]

रुती मामहरवायसपत ॥२७॥ सांभलिआणंदजवोस
निहां। आजपछेजिमजुन्पजरो। दीगोतमस्वां
मि जांनियनयणेअर्मायजरो ॥२८॥ समवस
रणमझारि। जेजेसंसायनपजेए। तेतेपरउपगार
कारणपछेमुनियवरो ॥२९॥ जिहांजिहां दीजे दि
ख तिहांतिहांकेवलऊपजेए। आपकनेनवनिद्ध
गोयमदीजेदानइम ॥३०॥ गुरुउपरगुरुभति
सांमीगोयमऊपनीय। इणछलकेवलनांण
रागजरांगेरंगन्रुरे ॥३१॥ जोअष्टापदसे ल

वांदेचउचीवीसजीणआतमलकशिवित्रेण
चरमसरीरेसीयस्सूणी॥२२॥इणदिनानि
सुणेवि॥गोयमगणहरसेंचलियालापरूपन
रेसेएमासोमुनिदीजीआवलीणतपसीउसीय
नियअंगाअमोयक्किनरुपजेएक्किमदउसीउ
चकायगजजिमदीसेगाजतीए॥२३॥तिम
उएइणअसीमांनातापसजोमनिचिंतवेए
तीमुनिचडीयावेगाआलंबदिन ॥९१
॥२४॥कंजनमणनिष्फलादिनकलसय

जवमसहीय।पेठवीपरमानंद।जिणहरमरते
मरवहीय॥३५॥नियरकायप्रमाण।चिऊंदि
सऐठीय।जिणहविंब।पणमवीमनउल्लास।
गोयमगणहर तिहांवसीय॥३६॥ वयरस्वाम
नोजीव।तिर्यकजंभकदेव तिहां।प्रतिबोधे
पुंडरीक।कुंडरीकअधेनजली॥३७॥वल
तोगोयमसामि।सवितापसप्रतिबोधक
रे।लेइआपणेसाथचालेजिमजूथाधीपति
॥३८॥ षीरषांडघतआंण।अमीयवूठअं

पुछवे।गोयमएकलपात्रकरावेपारणे-
वे॥४०॥पंचसयांमुनजनावाउजलनरीयो
बीरनिश्रे।आवएुकम्रंजोग।कव॥लंलकी
वलरूपऊवा॥४९॥
मवसरणप्रकारत्रिया।पिखवीकेवलनांणउ
पनोउजोयकरै॥५०॥जांणे।जिण।पिडवा।गाजे
तिघणमेघजिम॥जिनवांणीनसूणे।विनांणी
ऊवापंचसयां॥४३॥वस्तगा
नाणसंपनयंनरेसयपरवरीय हरिस्त

रिसहजिणनाहवंदे। जाणे विज्जसुरवयणत्ति
हं नाणअन्नाणनिंदं। चरजिने थ्यरइमत्तणे
गोयमविम्हयसंखेव। जेहजाए अोपणअहि
हेस्पांउलाखेय॥ ५४॥ जासे स्वामीयोएवीर
जिणंदइन्नमवंदजिमउलसिय। विहरंतो
एत्ररवासांमि। वरअखहेसरसंवसीय।५
५॥ ववतीएएकणपउमेअ। पायकमल
अंघेअहीय। आवीयोएनयणानंद नयर
पावउरअसुरमहिय॥ ५६॥ वेषवीयोएगो

यमसोमि।देवस्वरमाश्रुतिबोधकरे।तिहरु
पणिएत्रिसलादेवनंदनसुहता।परमपए।।४७
वलहीएदेवआकास।पेषवीनां।एपी।ति।
णसमए।तीमुनिएमनविषवाद वादनेद
जिमउपनोए।।४८।ॐ मेएक्षांमीयोदि
आपकेनास्फटालीयोएजांणंतीएमि
एनाह।लोकविवाहारनपालीयोएं।केम ती
नलीएकिधस्युंसोमाजांएयुंकेवलमोगमीए
चितसुएवालकजेमा।आहवाकेमेनलागे

ए॥५०॥ जंकिमएविरजिणंदजगलेज्यो लेज्यो
जयोए। आपणीएउत्तमेह। नाहतमेपेसा
चयोए। साचोएवीतरागनेहनजांणेलाजी
योए। इणसमेएगोयमचित। रागवैरागेवा
लीयोए। ५। आवंतीएजेउलटारहितोरा
गेसाहीयोए। केवलुएनांणउपन्न। गोयम
सुगतिउमाहीयोए॥५२॥ त्रिभुवनएजयर
कार। केवलमहिमासूरकरेए। गणधरए
करयवखांण। भवियांनवजिमनिस्तरेए

५४॥वस्तु।गउमगणहरश्नरसपचा
गिहावासवसीय।तीसवरसमंजमसि
सिय।फिरकेवलनाणपये बारेवरसति
कंअणनमुसीय।राजग्रहीनगरीवली
एवरसाउखो मीगोयमगुणनिलो।हिवे
शिवपुरठाउ॥५५॥ढवणी।
२
हिकै।जिमचंदनसोगंधनिधि।
वहिरोलहकै।

लिमगोयमसोलागनिधि। पुजिमसोनम्र
शिखरनिवसेहंम्रा॥ जिमसूरतरुनीकर
यवंतंसा॥जिमभ्रूअरनाजीववने।जि
मरयणायरस्यणेविलसे। जिमअंबर
तारागणविलसे। जिमगोयमगुणकेल
वने॥५७॥ इन्पमनिशिजिमशशिअर
सोहे।स्रुरतरुमहिमाजीमजगमोहे।पू
र्वदिश्याजिमसहसकरो। पंचाननजिम
गिरवरराजे। नरवरघरजिममंगलगाजे

तिमजिनसासनमुयवरो।५७जिमसुरतरु
वरसोहिसाख॥ जिमउत्तमसुषमधकरीनाथ।
जिमवनकेतकीमहमहीए।जिमभूमीपति
भूयबलचमके।जिमजिनमंदरघंटारणर
के।गोयमलबधेगहगहीए।।५८।।चिंताम
णकरचढीयोआजासुरतरुसारेवंछित।
काजकामकुंभसवीवसअजवाए।कामग
वीपूरैमनकामी।अष्टमाहासिधआवे :
मी।सामीगोयमअनुसरीए।६ :

अरहिलोपजणीते। मायावीजोअवणञ्
णीजे।श्रीमतीसोनासंच वेणदेवांधुरअरि
हंतनमीजे।विनयप्रजुतवकायसुणीजै
इएमंत्रेगोयमनमोए।परस्वस्रताकोइ
करीजे।देशदिशांतरकोयनमीजे।का
वणकाजआयासंकरो।प्रह्ववीगोयमअ
मरीजे।काजसमंगलततखीणसीजे।न
वनिधविलसेतासघरी।।६२।। चवदेस्रेबा
नोतरवरसे।गोयमगणहरकेवलदीवस्रे

कियोकवित्तउपगारकरो।
एहत्रणीजे।परम्रमहोछवपेलीदीजे रिधि
वृध्धिकल्यांणकरो।।६२।धनमाताजिणउ
ञरेधरीयो।धनपिताजिणउ.
रीयो।धनमहगुरुजीदिक्षीयोए।
तविद्याजंमारो।जसगुणपोहवीनलाभे
पार।सपरुपेकरीगुणनीलोए।।६४।।श्री
गोतमस्वोमीजीरोरासत्रणीजे।चोविह
संघरलीयायतकीजे।वमजिमसा

ऋद्धि सिद्धि लीला पामै ते। माया बीजे श्रवण त्रि
णीजे। श्री मती सो नास हे वेण देवां धुरग्र
हं तनमीजे। विनय प्रमुख वकाय प्रणीजै
इणमंत्रे गौयमनमोए। परश्वस्य तां काइ
करीजे। देश दिशांतर कांयनमीजे। का
वण काजअयायास करो। प्रह ऊठी गौयम
मरीजे। काज समंगल ततक्षीण सीजे। न
वनिध विलसे तासघरो॥ ६२॥ चवदेसैवा
सोतरवरसे। गोयम गणहर केवल दीवसे

कियोकवितउपगारकरो। आदिमंगल
एहभणीजे।परब्रमहोछवपेलीदीजे रिद्धि।
वृद्धिकल्योणकरो॥६२॥धनमाताजिणऊ
अरेधरीयो।धनपिताजिणकुलअवत।
रीयो।धनअहगुरुजीदिखीयोए। विनयवं
तविद्याभंडारो।जसगुणपोहवीनलाभे।
पार।तपरूपेकरीगुणनीलोए॥६४॥श्री
गोतमस्वांमीजीरोरासभणीजै।चौविह
संघरलीयायतकीजे।चरुजिमसाबावी

स्रेठजीआँ चंदनमलजी दिरावो। मांणके
मोत्यां चो कपुरा जी। रयण सिंहसण बेसणो
ए।।६५।। तिहां बेली अनुदेस ना देशी। च वि
कजिवां ना कारज सरसी। श्री विजय अ
रूरिदमनल ए।।६६।। इती श्री गोतम स्वा
मीजी नो रास संपूर्णं। संवत १९२२ रा मी
ती आसोज वदी १२। लिखतं [illegible] मा लाल
विद्या लाल न।। श्री सोधीमजी ... [illegible]
नमचंदजी वाचनार्थं।। ।।श्री।। १२